



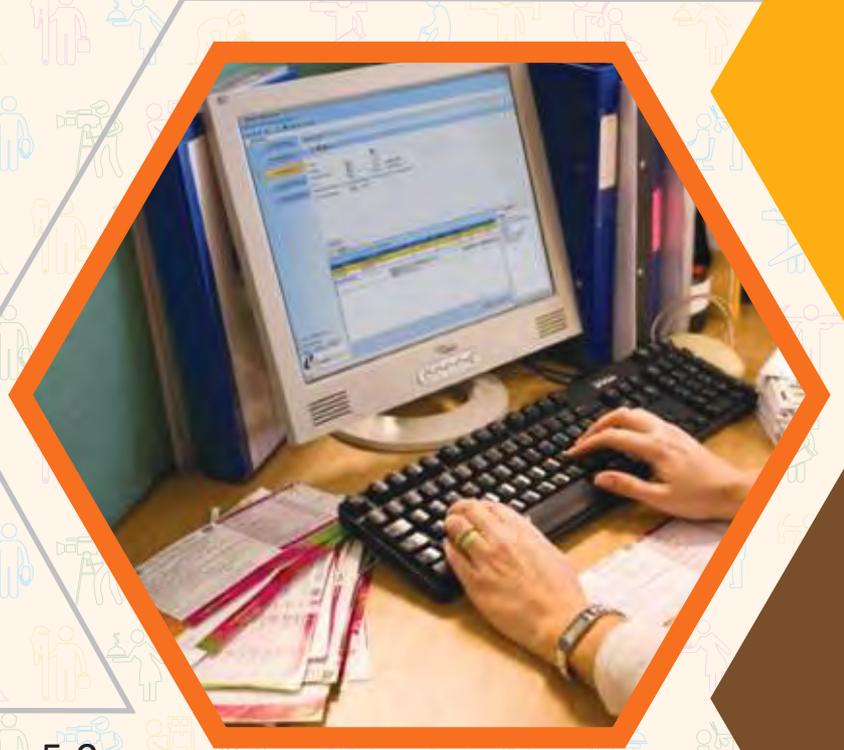
प्रतिभागी पुस्तिका

क्षेत्र
लॉजिस्टिक्स

उप-क्षेत्र
वेयरहाउसिंग (भंडारण, संचालन
और वीएसएस)

व्यवसाय
वाहन संचालन

Reference ID: LSC/Q1118, Version 5.0
NSQF level: 4



ईबुक तक पहुंचने के लिए इस क्यूआर कोड को
स्कैन/क्लिक करें

ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर

यह पुस्तक के प्रायोजक है

लोजिस्टिक्स सेक्टर स्किल कौंसिल

पता: नंबर 480 ए, 7 वीं मंजिल खिवराज कॉम्प्लेक्स 2,

अन्ना सलाई, नंदनम, चेन्नई - 600 035

ईमेल: reena@lsc-india.com

वेबसाइट: www.lsc-india.com

फोन नं: 044 4851 4605

पहला संस्करण, सितंबर 2022

कॉपीराइट © 2022

यह पुस्तक लोजिस्टिक्स सेक्टर स्किल कौंसिल द्वारा प्रायोजित है।

लोजिस्टिक्स सेक्टर स्किल कौंसिल द्वारा भारत में मुद्रित।

क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत: CC-BY-SA

Attribution-ShareAlike: CC BY-SA



यह लाइसेंस अन्य लोगों को व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए भी आपके काम को रीमिक्स, ट्वीक और निर्माण करने देता है, जैसे जब तक वे आपको श्रेय देते हैं और समान शर्तों के तहत अपनी नई रचनाओं का लाइसेंस देते हैं। यह लाइसेंस अक्सर प्लॉपीलेफ्टप् मुक्त और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर लाइसेंस से तुलनात्मक हैं। इस पर आधारित सभी नए कार्य पर समान लाइसेंस होगा, इसलिए कोई भी डेरिवेटिव व्यावसायिक उपयोग की भी अनुमति देगा। यह विकिपीडिया द्वारा उपयोग किया जाने वाला लाइसेंस है और उन सामग्रियों के लिए अनुशंसित जो विकिपीडिया और इसी तरह के लाइसेंस प्राप्त परियोजनाओं से सामग्री शामिल करने से लाभान्वित होगा।

अस्वीकरण

इसमें निहित जानकारी विभिन्न विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त की गई है। लोजिस्टिक्स सेक्टर स्किल कौंसिल ऐसी जानकारी की सटीकता, पूर्णता या पर्याप्तता के लिए सभी वारंटी को अस्वीकार करता है। लोजिस्टिक्स सेक्टर स्किल कौंसिल की यहां निहित जानकारी में त्रुटियों, चूक या अपर्याप्तता के लिए, या उसकी व्याख्या के लिए कोई दायित्व नहीं होगा। पुस्तक में शामिल कॉपीराइट सामग्री के स्वामी का पता लगाने का हर संभव प्रयास किया गया है। पुस्तक के भविष्य के संस्करणों में पावती के लिए उनके ध्यान में लाए गए किसी भी चूक के लिए प्रकाशक आभारी होंगे। लोजिस्टिक्स सेक्टर स्किल कौंसिल की कोई भी संस्था इस सामग्री पर निर्भर रहने वाले किसी भी व्यक्ति को हुए किसी भी प्रकार के नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होगी। दिखाये गए सभी चित्र केवल द्रष्टांत उद्देश्य के लिए हैं। क्विक रिस्पॉन्स कोड (क्यूआर कोड) पुस्तक में कोडित बॉक्स सामग्री से जुड़े ई संसाधनों तक पहुंचने में मदद करेंगे। ये क्यूआर कोड विषय में ज्ञान बढ़ाने के लिए इंटरनेट पे उपलब्ध लिंक और यूट्यूब वीडियो संसाधनों से उत्पन्न होते हैं और लोजिस्टिक्स सेक्टर स्किल कौंसिल द्वारा नहीं बनाए गए हैं। सामग्री में लिंक या क्यूआर कोड को एम्बेड करना किसी भी प्रकार का समर्थन नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्ति किए गए विचारों या लिंक किए गए वीडियो की सामग्री या विश्वसनीयता के लिए लोजिस्टिक्स सेक्टर स्किल कौंसिल जिम्मेदार नहीं है। लोजिस्टिक्स सेक्टर स्किल कौंसिल गारंटी नहीं दे सकता कि ये लिंक/क्यूआर कोड हर समय काम करेंगे क्योंकि लिंक किए गए पृष्ठों की उपलब्धता पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है।





श्री नरेंद्र मोदी
भारत के प्रधानमंत्री

“

कौशल विकास भारत को एक बेहतर देश
बना रहा है। अगर हमें भारत को
विकसित करना है तो
कौशल विकास हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

”



Certificate

COMPLIANCE TO QUALIFICATION PACK - NATIONAL OCCUPATIONAL STANDARDS

is hereby issued by the

LOGISTICS SECTOR SKILL COUNCIL

for the

SKILLING CONTENT: PARTICIPANT HANDBOOK

Complying to National Occupational Standards of

Job Role/ Qualification Pack: **'Transport Coordinator'** QP No. **'LSC/Q1118, V5.0 NSQF Level 4'**

Date of Issuance: 27/01/2022

Valid up to*: 27/01/2025

**Valid up to the next review date of the Qualification Pack
'Valid up to' date mentioned above (whichever is earlier)*

Authorized Signatory
(Logistics Sector Skill Council of
India)

आभार-पूर्ति

इस प्रतिभागी पुस्तिका की सामग्री का अनुमोदन करने के लिए हम निम्नलिखित संगठनों का धन्यवाद देते हैं, जिससे क्वालिफिकेशन पैक (क्यूपी) और नेशनल ऑक्यूपेशनल स्टैंडर्ड्स (एनओएस) पर आधारित स्किलिंग में योगदान हुआ है।



इस पुस्तक के बारे में

यह प्रतिभागी हैंडबुक, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर योग्यता पैक (क्यूपी - फच्) के लिए प्रशिक्षण को सक्षम करने के लिए डिजाइन की गई है। प्रत्येक राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस - छवै) को इकाइयों में शामिल किया गया है।

इस पुस्तक को पढ़ने के बाद, आप ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर द्वारा पालन की जाने वाली सभी आवश्यकताओं और विभिन्न प्रक्रियाओं को समझने में सक्षम होंगे। इस पुस्तक में ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई है।

इस हैंडबुक की मुख्य विशेषताएं:

1. यह सीखने में आसान तरीके से परिवहन समन्वय की अवधारणा पर चर्चा करती है।
2. यह इंटरैक्टिव और पेशेवर तरीके से परिवहन समन्वय अवधारणाओं को प्रस्तुत करती है।
3. यह शिक्षार्थियों को, एक पेशेवर सेट-अप में खुद को देखने का अवसर देती है।

विशिष्ट एनओएस (छवै) के लिए प्रमुख सीखने के उद्देश्य, उस एनओएस (छवै) के लिए इकाई/इकाइयों की शुरुआत को चिह्नित करते हैं। इस पुस्तक में प्रयुक्त प्रतीकों का वर्णन, नीचे किया गया है।

इस्तेमाल किया गया प्रतीक



मुख्य सीख



यूनिट के
उद्देश्य



अभ्यास



नोट्स



गतिविधि



सारांश

क्रम	विषय और यूनिट	पृष्ठ संख्या
6.	स्वास्थ्य और सुरक्षा का अनुपालन (LSC/N1126)	67
	यूनिट 6.1 - कार्यस्थल पर सुरक्षा लागू करना	69
	यूनिट 6.2 - खतरनाक और जोखीमवाले सामान को संभालना	77
	यूनिट 6.3 - 5एस (5S) की संकल्पना	80
	यूनिट 6.4 - सुरक्षा, दुर्घटनाओं और आपातकालीन स्थितियों के उल्लंघन का प्रबंधन	83
7.	अनुलग्नक	91
8.	रोजगार कौशल (DGT/VSQ/N0102) (60 घंटे)	
	नए रोजगार कौशल पर पुस्तक निम्नलिखित स्थान पर उपलब्ध है https://eskillindia.org/NewEmployability ईबुक तक पहुंचने के लिए नीचे दिए गए QR कोड स्कैन करें	





Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत



सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP



N · S · D · C
National
Skill Development
Corporation

Transforming the skill landscape



1. वेअरहाउस से परिचय

- यूनिट 1.1 - लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन
- यूनिट 1.2 - लॉजिस्टिक्स स्पेस में उप क्षेत्र - प्रमुख गतिविधियां
- यूनिट 1.3 - भूमि परिवहन से परिचय
- यूनिट 1.4 - वेयरहाउस संगठन की संरचना - भूमिकाएं और जिम्मेदारियां
- यूनिट 1.5 - वेयरहाउस में उपयोग किए जाने वाले उपकरण
- यूनिट 1.6 - परिवहन में दस्तावेजीकरण



मुख्य सीख



इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के घटकों को वर्गीकृत करना
2. विभिन्न उप-क्षेत्रों और उनमें अवसरों का विवरण देना
3. वेयरहाउसिंग, क्रियर, पोर्ट यार्ड, भूमि, जहाज और हवाई परिवहन में विभिन्न गतिविधियों की पहचान करना
4. वेयरहाउसिंगधपरिवहन में नौकरी की भूमिकाएं समझाना
5. ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर के रूप में अपनी नौकरी की भूमिका और अन्य नौकरी भूमिकाओं के साथ इसके इंटरफेस का विवरण देना
6. वेयरहाउस में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न एमएचई (डब्ल्यू) और उपकरणों का वर्णन करना
7. परिवहन में दस्तावेजीकरण आवश्यकताओं पर चर्चा करना

यूनिट 1.1: लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को परिभाषित करना
2. लॉजिस्टिक्स प्रबंधन को परिभाषित करना
3. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रवाह समझाना

1.1.1 आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन

“आपूर्ति श्रृंखला, प्रकृति की तरह हैय यह सब हमारे चारों तरफ है,” डेव वाटर्स।

हम अपने दिन की शुरुआत एक दूधपेस्ट से करते हैं और अंत एक गिलास दूध से करते हैं। दिन भर में हम जो कुछ भी उपभोग करते हैं, उसमें अंतर्निहित आपूर्ति श्रृंखला होती है। कच्चे माल की खरीद की जाती है और तैयार उत्पादों में परिवर्तित होने के लिए उसे कारखानों में पहुंचाया जाता है। तैयार उत्पादों को, तब तक विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाता है और वेयरहाउस में रखा जाता है, जब तक कि वे हमारे घर नहीं पहुंच जाते। आपूर्ति श्रृंखला यह संगठनों, गतिविधियों की एक ऐसी “श्रृंखला” है, जो वस्तुओं को मूल स्थान से उपभोग स्थल तक ले जाने के लिए, आपूर्तिकर्ताओं, निर्माताओं, वेयरहाउसों, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं जैसी विभिन्न “संस्थाओं” के रूप में, कच्चे माल, अर्ध-तैयार-माल और तैयार माल के रूप में “सामग्री” के प्रवाह का प्रबंधन करती है।

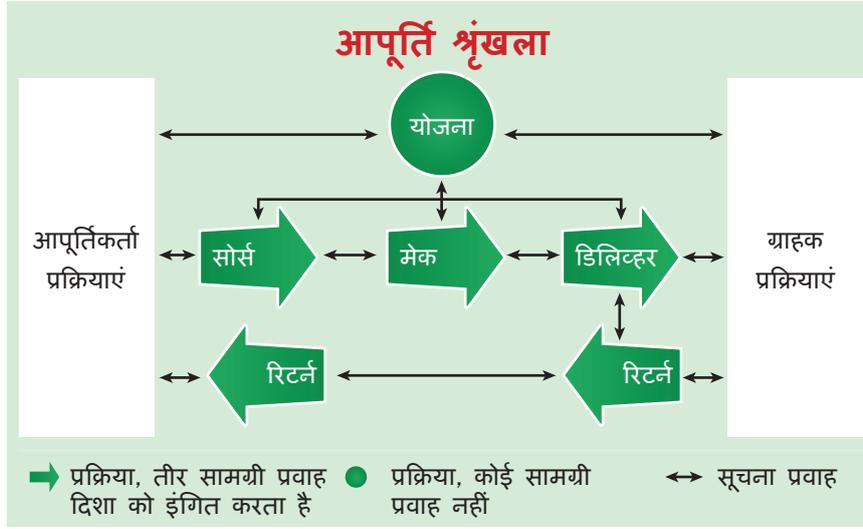


चित्र 1.1.1 आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन

आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन (एससीएम - SCM) को, सही उत्पाद, सही समय पर, सही जगह पर, ग्राहक को सही मात्रा में और सही गुणवत्ता में सही कीमत पर उपलब्ध कराने की प्रबंधन की कला भी कहा जाता है।

आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन को “सामग्री की आवाजाही के रूप में परिभाषित किया गया है क्योंकि वे अपने स्रोत से अंतिम ग्राहक तक प्रवाहित होते हैं। इसमें खरीद, निर्माण, भंडारण, परिवहन, मांग और आपूर्ति योजना और सूची प्रबंधन शामिल है। यह ऐसे लोगों, गतिविधियों, सूचनाओं और संसाधनों से बना है, जो किसी उत्पाद को उसके आपूर्तिकर्ता से ग्राहक तक ले जाने में शामिल हैं।

आपूर्ति शृंखला परिषद एससीओआर (SCOR) द्वारा, आपूर्ति शृंखला का निम्नलिखित स्पष्ट चित्रण दिया है।



चित्र 1.1.2 आपूर्ति शृंखला के प्रबंधन के घटक

एससीओआर (SCOR) के अनुसार, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन के पांच महत्वपूर्ण घटक हैं -

कच्चे माल की सोर्सिंग का प्लान - सोर्स - मेक - डिलीवरी- रिटर्न।

प्लान: यह चरण बताता है कि आपूर्ति के माध्यम से ग्राहक की मांग को कैसे पूरा किया जाएगा। जैसा कि चित्र में देखा जा सकता है, प्लान फंक्शन मांग पूर्वानुमान प्राप्त करने के लिए ग्राहक के साथ इंटरैक्ट करता है। इसका आपूर्ति योजना में अनुवाद किया जाता है और विनिर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल के लिए विभिन्न संभावित विक्रेताओं की पहचान के लिए आपूर्तिकर्ता को सूचित किया जाता है। केवल आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करना पर्याप्त नहीं होगा। इसमें उत्पादों की उपलब्धता, शामिल लागत, माल के परिवहन में आसानी और यहां तक कि भुगतान की शर्तें भी शामिल होनी चाहिए।

सोर्स: यह वह कदम है जहां किसी को विनिर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल के लिए विभिन्न संभावित विक्रेताओं की पहचान करनी चाहिए। केवल आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करना पर्याप्त नहीं होगा। इसमें उत्पादों की उपलब्धता, शामिल लागत, माल के परिवहन में आसानी और यहां तक कि भुगतान की शर्तें भी शामिल होनी चाहिए।

मेक: तीसरे घटक में डिजाइनिंग, उत्पादन, परीक्षण, पैकेजिंग और फिर डिलीवरी के लिए इन सभी गतिविधियों को सिंक्रनाइज करना शामिल है। आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त कच्चा माल ग्राहक के लिए तैयार माल में बदल जाता है।

डिलीवरी: इस चरण में सही जगह पर सही समय पर सही मात्रा में और सही कीमत पर सही उत्पाद पहुंचाना शामिल है। यहां आपूर्ति शृंखला द्वारा, फैक्ट्री से तैयार माल को वेयरहाउस को, वेयरहाउस से डिस्ट्रीब्यूटर्स को, डिस्ट्रीब्यूटर्स से रिटेलर्स को और अंत में रिटेलर्स से अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाया जाता है।

रिटर्न: यह आपूर्ति शृंखला का नवीनतम चरण है, जो तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। यहां खराब, क्षतिग्रस्त या यहां तक कि अस्वीकृत माल ग्राहक द्वारा वापस कर दिया जाता है। आपूर्ति शृंखला को ग्राहक को शीघ्रता से प्रतिक्रिया देनी चाहिए और लागत को अनुकूलित करके सामान वापस करना चाहिए।

लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन

लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन का हिस्सा है, जो ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मूल स्थान और खपत के स्थान के बीच वस्तुओं, सेवाओं और संबंधित जानकारी के कुशल, प्रभावी फॉरवर्ड, और रिवर्स प्रवाह और भंडारण की योजना बनाता है, लागू करता है और नियंत्रित करता है।

लॉजिस्टिक्स के प्रबंधन में वेयरहाउसिंग, इन्वेंटरी नियंत्रण और परिवहन प्रबंधन जैसी गतिविधियां शामिल हैं। लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन, मुख्य रूप से आपूर्ति शृंखला के भीतर माल के परिवहन और भंडारण पर केंद्रित है।

लॉजिस्टिक्स के प्रबंधन में दो मुख्य गतिविधियां शामिल हैं:

- **इनबाउंड लॉजिस्टिक्स:** कच्चे माल की खरीद, भंडारण और परिवहन से संबंधित गतिविधियों से संबंधित होता है।
- **आउटबाउंड लॉजिस्टिक्स:** इसमें भंडारण और ग्राहकों को अंतिम उत्पादों का वितरण शामिल है।

यह आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन से किस प्रकार भिन्न है?

एससीएम (SCM) या एक व्यापक अवधारणा है, और इसमें, इसके घटकों में से एक के रूप में, लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन शामिल है।

लॉजिस्टिक्स, मुख्य रूप से वेयरहाउसिंग, इन्वेंटरी का प्रबंधन, आयात और निर्यात का प्रबंधन, ट्रैक एंड ट्रेस और संबंधित प्रक्रियाओं से संबंधित है।

एससीएम (SCM) एक व्यापक अवधारणा है और किसी भी कंपनी के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ पैदा करने का एक उपकरण है। लॉजिस्टिक्स के अलावा, यह आपूर्ति श्रृंखला योजना और रणनीति, पूर्वानुमान और मांग योजना, उत्पादन और आपूर्ति योजना, खरीद और विक्रेता प्रबंधन, सहयोग और अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम भागीदारों के साथ समन्वय, सूचना प्रवाह का प्रबंधन जैसे कई अन्य कार्य करता है।

यूनिट 1.2: लॉजिस्टिक्स स्पेस में उप क्षेत्र - प्रमुख गतिविधियां

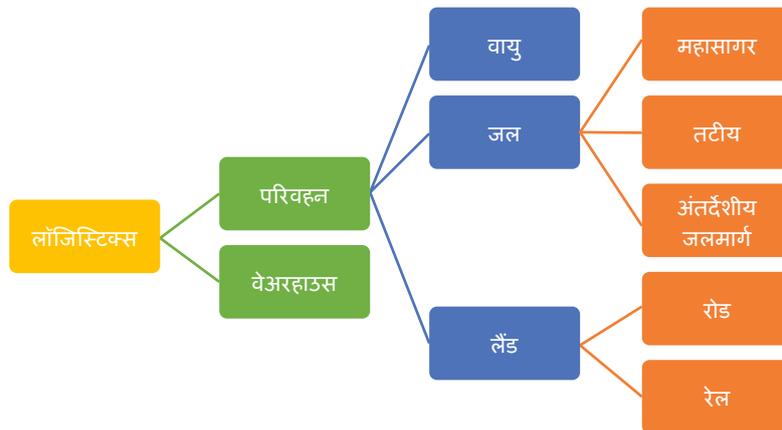
यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. लॉजिस्टिक्स में विभिन्न उप क्षेत्र समझाना
2. परिवहन के विभिन्न साधन समझाना
3. वेयरहाउस/परिवहन सेवाओं को परिभाषित करना

1.2.1 लॉजिस्टिक्स के उप-क्षेत्र

जैसा कि पिछले अनुभाग में देखा गया है, लॉजिस्टिक्स के प्रबंधन में परिवहन और भंडारण दो प्रमुख गतिविधियां हैं। परिवहन आगे विभिन्न तरीकों से हो सकता है - वायु, जल और भूमि।



चित्र 1.2.1 परिवहन की गतिविधियां

परिवहन, किसी भी देश के लिए जीवन रेखा है और उसकी अर्थव्यवस्था को चालू रखता है। जब देशों के बीच माल का आदान-प्रदान होता है, तो परिवहन अंतर्राष्ट्रीय भी हो सकता है। परिवहन

हवाई परिवहन

हवाई परिवहन परिवहन का सबसे तेज साधन है। यह यात्रा के समय को कम करके दूरियों को कम करता है। हवाई परिवहन आर्थिक प्रगति और विकास को प्राप्त करने में एक प्रमुख प्रवर्तक के रूप में कार्य करता है। हवाई परिवहन देश के भीतर महत्वपूर्ण संपर्क प्रदान करता है और किसी भी देश को वैश्विक अर्थव्यवस्था के एकीकरण की अनुमति देता है। यह व्यापार उत्पन्न करने, पर्यटन को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करता है। हवाई परिवहन उच्च मूल्य वाले कार्गो के लिए सबसे उपयुक्त है जो तेजी से पारगमन समय के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं।

हवाई परिवहन का उपयोग, आम तौर पर छोटे कार्गो के लिए किया जाता है, हालांकि बड़े शिपमेंट को भी इसकी तात्कालिकता और महत्वपूर्णता के आधार पर हवाई मार्ग से ले जाया जाता है।

इसके द्वारा की जाने वाली मुख्य गतिविधियों को दो में विभाजित किया जा सकता है

1. उद्गम स्थल पर गतिविधियां
2. निर्वहन स्थल पर गतिविधियां

उद्गम स्थल: एक बार जब कार्गो शिपमेंट के लिए तैयार हो जाता है, तो एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू कार्गो की पैकिंग है। पैकिंग कार्गो के अनुसार होनी चाहिए और इसके मोड और परिवहन की अवधि के लिए डिजाइन की जानी चाहिए।

सीमा शुल्क औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए पैक किए गए कार्गो को हवाई अड्डे पर ले जाया जाता है और सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद इसे संबंधित एयरलाइनों को सौंप दिया जाता है। एयरलाइन अपनी लोडिंग योजना के अनुसार कार्गो की लोडिंग करती है। प्रत्येक कार्गो के साथ दस्तावेजों का एक व्यक्तिगत सेट होगा जिसमें इस कार्गो के सभी विवरण होंगे।

गंतव्य स्थल: आगमन पर कार्गो को सीमा शुल्क प्राधिकरण को सौंप दिया जाता है, जो सीमा शुल्क औपचारिकताओं के बाद संबंधित खरीदारों को कार्गो सौंप देगा। एयरलाइंस कार्गो की डिलीवरी लेने में आवश्यक सहायता प्रदान करके इस आवाजाही को सुविधाजनक बनाती है।



चित्र 1.2.2 हवाई परिवहन की गतिविधियां

जल परिवहन

परिवहन के सभी साधनों में पानी सबसे सस्ता साधन है और अंतरराष्ट्रीय माल ढुलाई के सबसे बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार है। समुद्री परिवहन के रूप में भी जाना जाता है, जल परिवहन जल के ऊपर कार्गो और यात्रियों की आवाजाही है। परिवहन के सभी साधनों में जल सबसे अधिक पर्यावरण के अनुकूल है जिसमें ईंधन का कम से कम उपयोग और उत्सर्जन होता है। इसके अलावा इस मोड का उपयोग करने के लिए कोई राजमार्ग, रेल ट्रैक या हवाई अड्डे नहीं नहीं बनाया जाने हैं। पानी प्राकृतिक रूप से उपलब्ध है, और हमें बस इसके ऊपर तैरना है।

जल परिवहन को आगे महासागर परिवहन, तटीय नौवहन और अंतर्देशीय जलमार्गों में विभाजित किया जा सकता है।

- **महासागरीय परिवहन:** यह समुद्रों और महासागरों के बीच लंबी दूरी का परिवहन है। उन्हें जहाजों और जहाजों के माध्यम से पूरा किया जाता है और मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए उपयोग किया जाता है। उन्हें आगे थोक (बल्क) और कंटेनरीकृत के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।
 - **थोक (बल्क):** बल्क ओशन आवाजाही के मामले में, अयस्क, गैस, कच्चे तेल, रसायन, स्टील जैसी थोक वस्तुओं को पोत में थोक में संग्रहित किया जाता है और लंबी दूरी तक ले जाया जाता है।
 - **कंटेनरीकृत परिवहन:** इस मामले में, कार्गो को मानकीकृत कंटेनरों में संग्रहित किया जाता है और कंटेनरों को विशेष कंटेनर ले जाने वाले जहाजों का उपयोग करके ले जाया जाता है। पिछले 50 वर्षों में परिवहन के इस तरीके में बहुत बड़ी प्रगति हुई है और अब यह अंतरराष्ट्रीय परिवहन के सबसे बड़े शेरों में से एक है।

- **तटीय नौवहन:** लघु समुद्री परिवहन के रूप में भी जाना जानने वाला, यह एक देश के भीतर अपनी तटीय लाइनों का उपयोग करने वाला परिवहन है। उदाहरण के लिए, बंगाल की खाड़ी का उपयोग करते हुए कोलकाता से चेन्नई तक या अरब सागर का उपयोग करके मुंबई से कोचीन तक की आवाजाही। यह फिर से थोक या कंटेनरीकृत हो सकता है। यह मुख्य रूप से कम मूल्य की वस्तुओं के लिए उपयोग किया जाता है, जहां सड़क या रेल द्वारा चलने की लागत बहुत अधिक होती है।
- **अंतर्देशीय जलमार्ग:** यह नदियों और नहरों का उपयोग करके माल की आवाजाही है। जहां कहीं भी यह साधन उपलब्ध है, वह परिवहन का सबसे किफायती साधन है। भारत में 111 आधिकारिक राष्ट्रीय जलमार्ग हैं और उनमें से गंगा और ब्रह्मपुत्र पर दो सबसे लंबे हैं।
- **पोर्ट और पोर्ट यार्ड:** समुद्री पोर्ट पर कार्गो प्राप्त होते हैं। यह वह स्थान है जहां कार्गो को सभी सीमा शुल्क औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद पोर्ट पर लादी गई शिपिंग लाइनों को सौंप दिया जाता है। गंतव्य के पोर्ट पर, खरीदार सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद, पोर्ट से अपना माल प्राप्त कर सकता है।

लैंड लॉक डेस्टिनेशन में या किसी अन्य कारण से अधिकारी कार्गो के संचालन के लिए एक अलग स्थान नामित कर सकते हैं। इन स्थानों को आंतरिक कंटेनर डिपो, कंटेनर फ्रेट स्टेशन या सिर्फ एक पोर्ट यार्ड के रूप में जाना जाएगा। वहां पोर्ट यार्ड एक पोर्ट की सभी गतिविधियों को भी करते हैं।

भूमि परिवहन

भूमि परिवहन यह, भूमि पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर लोगों और सामानों का परिवहन या आवाजाही है। भूमि परिवहन के दो मुख्य रूप, रेल परिवहन और सड़क परिवहन हैं।

- **सड़क परिवहन:** जैसा कि नाम से पता चलता है, यह सड़कों का उपयोग करने वाला परिवहन है। इसका उपयोग माल और लोगों के परिवहन के लिए किया जाता है। ट्रकों, ट्रेलरों, वैन, ऑटो, बाइक और यहां तक कि जानवरों द्वारा सड़कों का उपयोग करके कार्गो का परिवहन किया जा सकता है। स्थानीय टू-लेन से लेकर स्टेट हाईवे तक नेशनल हाईवे से फ्रीवे तक सड़क के विभिन्न वर्ग मौजूद हैं। आधुनिक सड़कें यातायात के प्रबंधन के लिए लेन और साइनेज ले जाती हैं। ऐसी ट्रकिंग कंपनियां हैं, जो मुख्य रूप से सड़क परिवहन में विशेषज्ञ हैं।
- **रेल परिवहन:** रेल परिवहन पटरियों पर स्थित पहिएदार वाहनों पर यात्रियों और माल के परिवहन का एक साधन है। सड़क परिवहन के विपरीत, जहां वाहन तैयार सपाट सतह पर चलते हैं, रेल वाहन (रोलिंग स्टॉक) उन पटरियों द्वारा निर्देशित होते हैं जिन पर वे चलते हैं। रेल माल और यात्री दोनों के लिए जन परिवहन का एक बहुत मजबूत साधन है।

वेयरहाउसिंग

लॉजिस्टिक्स के प्रबंधन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटक वेयरहाउसिंग है। वेयरहाउस एक व्यावसायिक इमारत है जिसका उपयोग निर्माता और व्यापारी कच्चे माल, तैयार माल, वर्क इन प्रोसेस इन्वेंटरी या पुर्जों को स्टोर करने के लिए करते हैं जब तक कि वे या तो खपत या बेचे नहीं जाते। वेयरहाउस मांग और आपूर्ति के बीच बफर प्रदान करता है। गेहूं की कटाई अप्रैल में की जाती है लेकिन पूरे साल खपत की जाती है। यह वेयरहाउसों में भंडारण के माध्यम से ही संभव है। अन्य भी हैं, जहां मांग वर्ष में एक बार होती है और पूरे वर्ष आपूर्ति/उत्पादन होता है। सर्दियों के कपड़े, एयर कंडीशनर, दीवाली के सामान की आवश्यकता केवल एक समय अवधि के दौरान ही होती है, लेकिन पूरे वर्ष उत्पादन किया जाता है। यह फिर से केवल उन वेयरहाउसों के माध्यम से संभव है जो उन्हें बेचने तक रखते हैं।

यूनिट 1.3: भूमि परिवहन से परिचय

यूनिट के उद्देश्य



इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

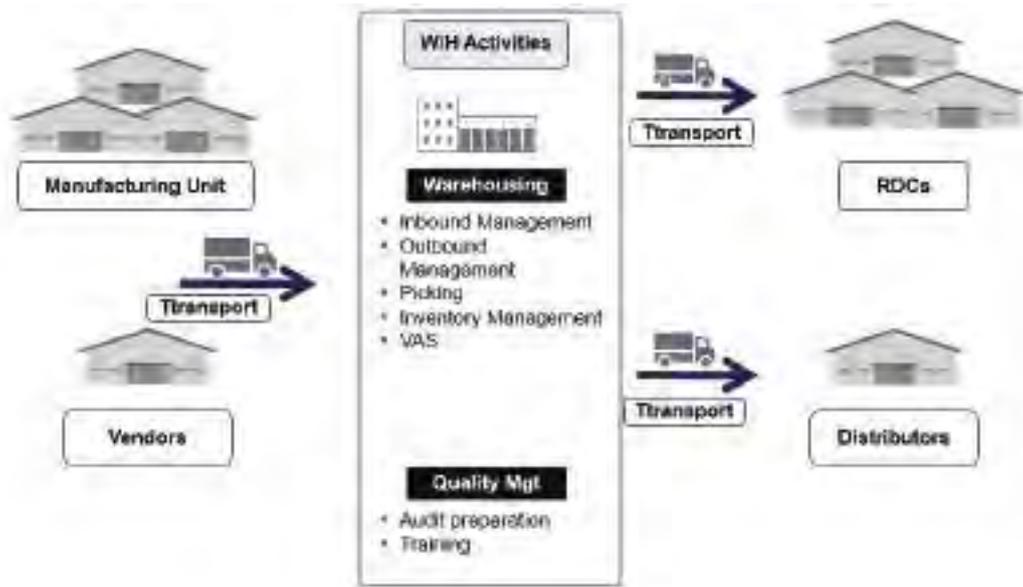
1. आपूर्ति श्रृंखला में भूमि परिवहन की भूमिका समझाना
2. भूमि परिवहन में की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की सूची बनाना

1.3.1 भूमि परिवहन की गतिविधियां

आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन में, भूमि परिवहन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जैसा कि शब्द इंगित करता है कि आपूर्ति श्रृंखला में विभिन्न लिंक होते हैं और परिवहन इसकी सबसे मजबूत कड़ी में से एक है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है कि आपूर्ति श्रृंखला की सबसे बड़ी चुनौती मांग और आपूर्ति के बीच लगातार बढ़ती खाई है। परिवहन विभिन्न मांग (बाजार) और आपूर्ति (संयंत्र, वेयरहाउस, गोडाउन) स्थलों के बीच एक जोड़ने वाली कड़ी की भूमिका निभाता है। परिवहन, आपूर्ति श्रृंखला में केवल एक कड़ी है, जो माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाती है और आपूर्ति श्रृंखला को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

भूमि परिवहन की कुछ प्रमुख भूमिकाएं हैं:

1. **माल के नियमित और निरंतर प्रवाह को सुगम बनाना:** यह मांग के पूर्वानुमान और आपूर्ति बाधाओं के बीच संतुलन बनाकर किया जाता है।
2. **माल की सुरक्षित आवाजाही प्रदान करना:** आपूर्ति श्रृंखला में सामान हमेशा विभिन्न जोखिमों के संपर्क में रहते हैं। परिवहन का एक सही माध्यम, पारगमन में एक मध्यस्थ की भूमिका निभाकर इन जोखिमों को कम कर सकता है, जबकि माल एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रहा है।
3. **कार्गो का समेकन (कंसॉलिडेशन):** वॉल्यूम हमेशा लागत लाभ प्रदान करता है। माल विभिन्न स्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है और उचित मार्ग और वाहन के सही प्रकार और आकार का उपयोग करके/गंतव्य तक पहुंचाया जा सकता है।
4. **माल का पिकअप:** भूमि परिवहन सेवाएं, पारगमन में कार्गो के टीएटी (ज|ज्) को कम करने के लिए निर्दिष्ट अनुसूची के अनुसार माल पिकअप सेवाएं प्रदान करती हैं और इसलिए वेयरहाउस/संयंत्र में सुरक्षा इन्वेंटरी को कम करती हैं और अंततः संगठन के नकदी प्रवाह को बढ़ाती हैं और इस प्रकार कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करती हैं।
5. **माल की डिलीवरी:** भूमि परिवहन सेवाएं पारगमन में कार्गो के टीएटी (ज|ज्) को कम करने के लिए निर्दिष्ट अनुसूची के अनुसार माल वितरण सेवाएं प्रदान करती हैं और इसलिए वेयरहाउस/संयंत्र में सुरक्षा इन्वेंटरी को कम करती हैं और अंततः संगठन के नकदी प्रवाह को बढ़ाती हैं और इस प्रकार कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करती हैं।
6. **मौसमी आपूर्ति का प्रबंधन:** यह एक बड़ी चुनौती है जिसका कई हितधारकों का सामना करना पड़ता है। मौसमी सामान कई सुविधाओं की मांग करते हैं जो मौसम के हिसाब से अलग-अलग होंगे। इसलिए, आपूर्ति के स्थान से मांग के स्थान तक माल को सही समय पर ले जाने में परिवहन सेवाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
7. **बाजार के लिए समय को परिभाषित करना:** बाजार हमेशा सही कीमत के लिए सही मात्रा में सही जगह पर सही उत्पाद की मांग करता है। अविश्वसनीय उत्पादन, अप्रत्याशित पारगमन और माल की आवाजाही के दौरान अप्रत्याशित बाधाएं इसे एक कठिन कार्य बनाती हैं। हालांकि, परिवहन की उचित योजना बनाकर इसे आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।



चित्र 1.3.1 सिंक में परिवहन और भंडारण।

माल प्राप्त होने के बाद और माल को वेयरहाउस जैसे भंडारण स्थानों पर भेजने से पहले, माल पारगमन में होता है और परिवहन सेवाएं, सहीधस्वीकार्य गुणवत्ता में सही समय पर, सही जगह पर, माल की सुरक्षित डिलीवरी के लिए जिम्मेदार होती हैं।

यूनिट 1.4: वेयरहाउस संगठन की संरचना - भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

यूनिट के उद्देश्य



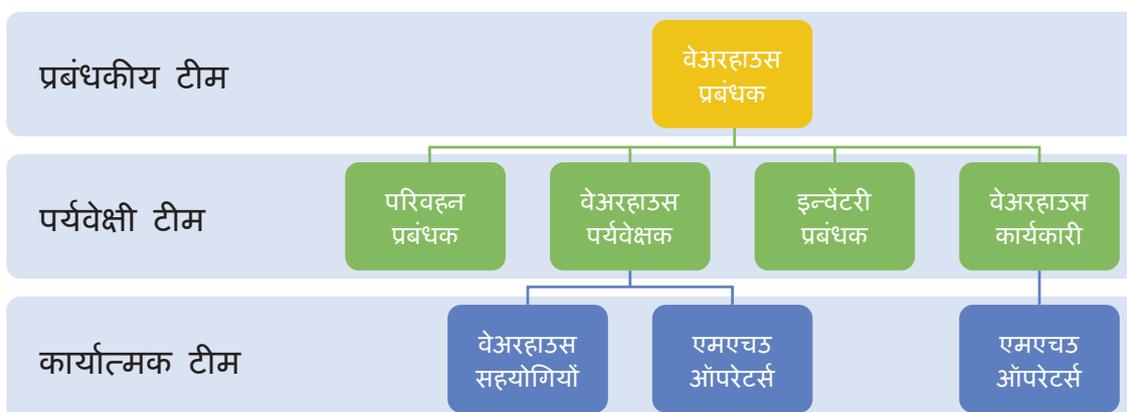
इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. वेयरहाउस के अंदर मौजूद विभिन्न कार्य भूमिकाओं का विस्तार से वर्णन करना
2. एक ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर की भूमिका और उत्तरदायित्व का वर्णन करना

1.4.1 वेयरहाउस के लोग का प्रबंधन

वेयरहाउस, उन सभी लोगों के बारे में है, जो इसे प्रबंधित करते हैं। वेयरहाउस को सही संख्या में या सही कौशल वाले लोगों के साथ रखने से, सबसे कुशल और प्रभावी वेयरहाउस संचालन सुनिश्चित होगा।

वेयरहाउस के भीतर, एक विशिष्ट संगठन चार्ट निम्नलिखित है:



चित्र 1.4.1 वेयरहाउस का संगठन चार्ट

निम्नलिखित अनुभाग में वेयरहाउस के अंदर विभिन्न पदों के लिए नौकरी विवरण के बारे में संक्षेप में चर्चा की गई है।

1. वेयरहाउस का प्रबंधक (साइट प्रभारी)

इस पद का मुख्य उद्देश्य: यह पद, “वादे की डिलीवरी” के साथ वेयरहाउस संचालन के प्रबंधन पर केंद्रित है।

2. ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर

इस पद का मुख्य उद्देश्य: यह पद, वेयरहाउस से डिलीवरी स्थान तक सभी आउटबाउंड परिवहन सेवाओं की योजना और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। संक्षेप में, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर वाहन नियोजन और शेड्यूलिंग, रूट प्लानिंग, वेयरहाउस डॉक पर वाहन प्लेसमेंट, परिवहन दस्तावेजों की व्यवस्था, वेयरहाउस से वाहनों की समय पर राहत, पारगमन में वाहनों की ट्रैकिंग और माल की डिलीवरी के बाद पीओडी (PoD) एकत्र करने के लिए जिम्मेदार है।

3. सूची, सामग्री प्रबंधक

इस पद का मुख्य उद्देश्य: यह पद, वेयरहाउस के अंदर सभी इन्वेंटरी के लिए जिम्मेदार है। इस पद को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि इन्वेंटरी को ठीक से स्टैक किया गया है, गिना गया है और हमेशा सिस्टम स्टॉक के साथ मेल खाता है।

4. डाटा फीडर-वेयरहाउस

इस पद का मुख्य उद्देश्य: यह पद कंप्यूटर पर संचालित होता है और ऑपरेटिंग डब्ल्यूएमएस (WMS) सहित वेयरहाउस संचालन के सिस्टम प्रविष्टियों और एमआयएस (MIS) के लिए जिम्मेदार है। डेटा फीडर - वेयरहाउस

लॉजिस्टिक्स उद्योग में डेटा फीडर वेयरहाउस को सिस्टम एकजीक्यूटिव, डेटा एनालिस्ट, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सिस्टम एनालिस्ट के रूप में भी जाना जाता है। इस भूमिका में व्यक्तियों को सभी आदेशों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संसाधित करने और वेयरहाउस संचालन के लिए डेटाबेस प्रबंधन सहायता प्रदान करने की आवश्यकता होती है। जिम्मेदारियों में ऑर्डर्स लॉगिंग करना, रिपोर्ट बनाए रखना, पिक लिस्ट और शेड्यूल बनाना शामिल है।

5. वेयरहाउस पिकर

इस पद का मुख्य उद्देश्य: लॉजिस्टिक्स उद्योग में वेयरहाउस पिकर को पिकर, फ्लोर स्टाफ, वेयरहाउस एसोसिएट के रूप में भी जाना जाता है। इस भूमिका में व्यक्तियों को भंडारण से आइटम लेने की जरूरत है। एक सूची सूची के अनुसार वस्तुओं को चुनने के लिए व्यक्ति जिम्मेदार हैं। अतिरिक्त प्रतिभागी जिम्मेदारियों में कभी-कभी कार्गो को लोड करना और उतारना, लेबलिंग, री-पैकेजिंग आइटम और स्थानांतरित किए गए कार्गो का दस्तावेजीकरण शामिल हो सकता है। पिकर भूमिका के तहत किए गए कार्यों में अंतर इस प्रकार संचालन की मात्रा के अनुसार भिन्न होता है, हालांकि भूमिका का मुख्य कार्य, भंडारण से वस्तुओं को चुनना और यह सुनिश्चित करना है कि वे बाहर भेजे जाने के लिए तैयार हैं।

6. वेयरहाउस पैकर

इस पद का मुख्य उद्देश्य लॉजिस्टिक्स उद्योग में वेयरहाउस पैकर को पैकर, फ्लोर स्टाफ, वेयरहाउस एसोसिएट के नाम से भी जाना जाता है। इस भूमिका में व्यक्तियों को उन वस्तुओं को पैक करने की आवश्यकता होती है जिन्हें चुना गया है या बिलिंग की आवश्यकता है। उन वस्तुओं को पैक करने के लिए व्यक्ति जिम्मेदार हैं जिन्हें अतिरिक्त प्री-पैकिंग या आउटबाउंड पैकेजिंग की आवश्यकता होती है। अतिरिक्त जिम्मेदारियों में कभी-कभी कार्गो को लोड करना और उतारना, लेबलिंग, री-पैकेजिंग आइटम और स्थानांतरित किए गए कार्गो का दस्तावेजीकरण शामिल हो सकता है। पैकर भूमिका के तहत किए गए कार्यों में अंतर इस प्रकार संचालन की मात्रा के अनुसार भिन्न होता है, हालांकि भूमिका का मुख्य कार्य उत्पाद की प्रकृति के अनुसार भंडारण या परिवहन के लिए वस्तुओं को पैक करना है।

7. वेयरहाउस बिनर

इस पद का मुख्य उद्देश्य: लॉजिस्टिक्स उद्योग में वेयरहाउस बिनर को बिनर, फ्लोर स्टाफ, वेयरहाउस एसोसिएट के रूप में भी जाना जाता है। इस भूमिका में व्यक्तियों को भंडारण में दूर रखने के लिए वस्तुओं को बिन करने की आवश्यकता होती है। एक इन्वेंटरी सूची के अनुसार वस्तुओं को बिन करने के लिए व्यक्ति जिम्मेदार हैं।

8. लोडर/अनलोडर

इस पद का मुख्य उद्देश्य: लॉजिस्टिक्स उद्योग में लोडर/अनलोडर को लोडर, ट्रांसपोर्ट एसोसिएट के नाम से भी जाना जाता है। इस भूमिका में व्यक्तियों को उत्पाद कोड के आधार पर माल की पहचान करने, उन्हें ट्रक से इनबाउंड क्षेत्र में उतारने और उन्हें स्टेजिंग क्षेत्र में ले जाने की आवश्यकता होती है। लोडिंग के लिए एक समान क्रम किया जाता है। उनकी जिम्मेदारियों में क्षतिग्रस्त माल की पहचान करना और सामान को सुरक्षित रूप से ले जाना शामिल है।

1.4.2 ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर और अन्य कार्य भूमिकाओं के साथ इसका इंटरफेस

ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर एक ऐसी भूमिका है, जो एक व्यक्तिगत योगदानकर्ता कम और अलग-अलग हितधारकों के साथ अलग-अलग हितधारकों के साथ समन्वयक है, जैसे वाहनों के लिए विक्रेता के साथ समन्वय करना, समय पर संचालन के लिए आंतरिक टीम के साथ और डिलीवरी स्थिति अपडेट और पीओडी (PoD) के लिए ग्राहक के साथ। सामान्य तौर पर, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर वाहन, नियोजन और प्लेसमेंट के लिए और ग्राहक के साथ माल वितरण स्थिति और पीओडी (PoD) के लिए टीम-अप करते हैं, और ज्यादातर निम्नलिखित के अनुसार आंतरिक टीम के साथ लगे रहते हैं:

पिकिंग सुपरवायजर	डिस्पैच सुपरवायजर	डेटा एन्ट्री ऑपरेटर
<ul style="list-style-type: none"> वाहन नियोजन के लिए दैनिक प्रेषण भार एकत्र करें एसएलए(SLA) के अनुसार चयन प्रक्रिया और अनुसूची में विचलन पर स्थिति अद्यतन 	<ul style="list-style-type: none"> वाहन शेड्यूलिंग और प्लेसमेंट के लिए दिन का एसएलए (SLA) विवरण एकत्र करें वाहन में माल की समय पर लदान के लिए समन्वय और गोदाम परिसर से वाहन को समय पर मुक्त करना सुनिश्चित करें वितरण घोषणापत्र के लिए समन्वय करें 	<ul style="list-style-type: none"> चालान/स्टॉक ट्रांसफर नोट (एसटीएन- STN) के लिए समन्वय ई-वे बिल के लिए समन्वय

चित्र 1.4.2 अन्य कार्य भूमिकाएँ

यूनिट 1.5: वेयरहाउस में उपयोग किए जाने वाले उपकरण

यूनिट के उद्देश्य



इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. वेयरहाउस में प्रयुक्त उपकरणों के वर्गीकरण समझाना
2. विभिन्न प्रकार की सामग्री, भंडारण और सुरक्षा हैंडलिंग उपकरण और इसके उपयोग की पहचान करना

1.5.1 वेयरहाउस हैंडलिंग उपकरण

वेयरहाउस उपकरण का उपयोग वेयरहाउस की संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान सामग्री और लोगों के भंडारण, संचालन, सुरक्षा और नियंत्रण के लिए किया जाता है। सामग्री से निपटने में वेयरहाउस के अंदर उपयोग की जाने वाली सभी सामग्रियों को स्थानांतरित करना, पैकेजिंग करना और भंडारण करना शामिल है। वेयरहाउस में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के उपकरणों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, जैसे भंडारण उपकरण, सामग्री हैंडलिंग उपकरण और सुरक्षा उपकरण। विभिन्न स्टोर उपकरणों का विवेकपूर्ण चयन, एक स्टोररूम के सफल संचालन की कुंजी है। फोर्कलिफ्ट्स, रीच-स्टैकर्स, पैलेट ट्रक्स, हैवी ड्यूटी रैक्स, स्लॉटेड एंगल रैक्स, क्रेन्स, होइस्ट्स, हैंड्रिल्स, बोलाइर्स, वायर पार्टिशनस ये सभी वेयरहाउस हैंडलिंग इक्विपमेंट के उदाहरण हैं।

वेयरहाउस उपकरण का उपयोग उत्पादन बढ़ाने, लागत को नियंत्रित करने और उत्पादकता को अधिकतम करने के लिए किया जाता है। एक अच्छी तरह से डिजाइन किया गया हैंडलिंग सिस्टम, निम्नलिखित को प्राप्त करने का प्रयास करता है:

- कम प्रयास में अधिक कार्य करके वेयरहाउस की दक्षता में सुधार करना
- ऐसे कई प्रकार के सामानों को संभालने की अनुमति देना, जिन्हें मैनुअल रूप से संभाला या उठाया नहीं जा सकता है।
- मैनुअल प्रयासों और इस श्रम लागत में कटौती करना
- भंडारण और हैंडलिंग के दौरान सामग्री को संभावित नुकसान को कम करना
- वेयरहाउस के अंदर क्यूब स्पेस का अधिकतम उपयोग करना
- वेयरहाउस के अंदर दुर्घटनाओं को कम करना
- वेयरहाउस के संचालन की कुल लागत को कम करना
- वेयरहाउस के सेवा स्तर में सुधार करना

वेयरहाउस उपकरण को निम्नलिखित तरीके से वर्गीकृत किया जा सकता है:

- भंडारण उपकरण
- सामग्री हैंडलिंग उपकरण
- सुरक्षा उपकरण

नाम	चित्र	विवरण
सेलेक्टिव पैलेट रैकिंग		सेलेक्टिव पैलेट रैकिंग, सबसे सरल और किफायती रैकिंग सिस्टम है, जो प्रत्येक पैलेट तक 100% पहुंच की अनुमति देता है। यह रैकिंग मात्रा की परवाह किए बिना एसकेयू (SKU) की बड़ी विविधता के लिए उपयुक्त है।
हैवी ड्यूटी रैक्स		हैवी ड्यूटी शेल्विंग, एक ऐसा सरल भंडारण समाधान है, जो गैर-पैलेटयुक्त वस्तुओं के भंडारण की सुविधा प्रदान करता है। या ऐसे मध्यम से बड़े आकार की वस्तुओं की विशाल विविधता के लिए आदर्श है, जिन्हें मैनुअल रूप से नियंत्रित किया जा सकता है।
लॉन्गस्पैन शेल्विंग रैक्स		लॉन्गस्पैन शेल्विंग, उन वस्तुओं के लिए आदर्श रूप से उपयुक्त है, जो वजन में हल्के/मध्यम और प्रकृति में बड़े पैमाने पर हैं। इस प्रकार की रैकिंग का उपयोग ऑटो, रिटेल, इंजीनियरिंग क्षेत्रों के लिए किया जाता है।
बिन रैकिंग		आमतौर पर छोटी वस्तुओं के भंडारण के लिए, स्पेयर पार्ट स्टोरेज में उपयोग किया जाता है।
स्लॉटेड एंगल रैक्स		यह शेल्विंग, एक बहुमुखी प्रणाली है जो ऐसे छोटे घटकों, डिब्बे, डिब्बों के भंडारण के लिए सबसे उपयुक्त है, जो हल्के भार (300 किलोग्राम) स्तर तक होते हैं।
मेजेनाइन फ्लोरिंग		कॉलम आधारित मेजेनाइन फ्लोर सिस्टम, एक हल्के वजन की स्टील फ्लोरिंग प्रणाली है, जो जमीन के ऊपर उपयुक्त ऊंचाई पर प्रदान की जाती है। स्तंभ की स्थिति, दरवाजे की स्थिति आदि को ध्यान में रखते हुए, कमरे के लेआउट के अनुरूप सिस्टम को कॉन्फिगर किया जा सकता है।
कैंटिलीवर रैकिंग सिस्टम		आमतौर पर, जहां टायर जैसे उत्पादों को लटकाने की आवश्यकता होती है, यहां इस्तेमाल किया जाता है।

तालिका 1.5.1 भंडारण उपकरण

सामग्री हैंडलिंग उपकरण (एमएचई - MHE)

नाम	चित्र	विवरण
हैंड पैलेट ट्रक (एचपीटी)		वेयरहाउस में सबसे महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक। वेयरहाउस के भीतर पैलेट को उठाने और स्थानांतरित करने के लिए उपयोग किया जाता है।
बैटरी चालित पैलेट ट्रक (बीओपीटी)		यह हैंड पैलेट ट्रक का बैटरी चालित संस्करण है। सामग्री की तेजी से आवाजाही के लिए बड़े वेयरहाउसों में उपयोग किया जाता है।
इंटीग्रेटेड डॉक लेवलर्स		ट्रक और लोडिंग बे एज के बीच, पुल के रूप में कार्य करके माल की लोडिंग और अनलोडिंग में सहायता करता है।
फोर्कलिफ्ट		वेयरहाउस में एक और बहुत महत्वपूर्ण उपकरण। फोर्कलिफ्ट एक ऐसा संचालित औद्योगिक ट्रक है, जिसका उपयोग कम दूरी पर सामग्री को उठाने और स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। यह एचपीटी (HPT) या बीओपीटी (BOPT) नहीं उठा सकते उतनी ऊंचाई तक माल उठा सकता है।
रीच ट्रक्स		रीच ट्रक्स अत्यधिक ऊंचाई तक 'पहुंचने' के लिए डिजाइन किए गए हैं। उनका उपयोग, पैलेट उठाने के लिए अत्यधिक रैक वाले वेयरहाउसों के लिए किया जाता है।
स्टैकर्स		स्टैकिंग, डबल पैलेट हैंडलिंग, ऑर्डर पिकिंग और क्षेत्रीय परिवहन के लिए उपयुक्त। मैनुअल और इलेक्ट्रिक दोनों संस्करणों में उपलब्ध है।
चेन पुली और होइस्ट		इनका उपयोग, वेयरहाउस में भारी भार उठाने और कम करने के लिए किया जाता है। फिर से, इलेक्ट्रिक और मैनुअल संस्करणों में उपलब्ध है।

डॉलीज		वेयरहाउस के भीतर भारी उपकरण, बक्से और अन्य भारी वस्तुओं को ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
ट्रक्स		लकड़ी, स्टील, एल्यूमीनियम, या प्लास्टिक बनाए जा सकता है, जिनका उपयोग वेयरहाउस के भीतर आवाजाही के लिए किया जाता है।
यूटिलिटी कार्ट्स		वेयरहाउस के अंदर गारमेंट्स और टूल्स जैसी सामग्री की आवाजाही।

तालिका 1.5.2 सामग्री हैंडलिंग उपकरण (एमएचई - डब्ल्यू)

सुरक्षा उपकरण

नाम	चित्र	विवरण
इमरजेंसी वॉश स्टेशन?		किसी भी रिसाव या रिसाव के मामले में, शरीर और आई वॉश के लिए रासायनिक वेयरहाउसों में उपयोग किया जाता है।
अंटी फटींग मैट्स		ऐसे वेयरहाउसों में उपयोग किया जाता है जो तेल, ग्रीस और अन्य फिसलन सामग्री से निपटते हैं।
बैरियर रेल्स		ये बैरिकेड्स, मूल्यवान उपकरणों और श्रमिकों को कार्यस्थल में खतरों से बचाते हैं।
बोलाईस		हैवी ड्यूटी वाले बोलाईस, फोर्क ट्रकों और मूल्यवान उपकरणों के बीच एक भौतिक अवरोध प्रदान करते हैं।
स्तंभ रक्षक		यूनिवर्सल रैंक प्रोटेक्टर, रैंक कॉलम को फोर्कलिफ्ट या भारी मशीनरी के कारण होने वाले हानिकारक प्रभाव से बचाते हैं।

<p>वायर पार्टीशन्स</p>		<p>तार के बाड़े टूल रूम, सुरक्षा पिंजरे, या खतरनाक सामग्री को स्टोर करने के लिए अच्छी तरह से काम करते हैं।</p>
<p>यातायात दृश्यता दर्पण</p>		<p>वाइड एंगल उत्तल दर्पण निगरानी बढ़ाने, सुरक्षा प्रदान करने और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए हैं।</p>
<p>हैंडरेल्स</p>		<p>सैफ्टी गार्डरेल्स, ओवरहेड वॉकवे और मेजेनाइन को, आसानी से स्थापित की जाने वाली रेलिंग के साथ सुरक्षित बनाती है।</p>
<p>विविध उपकरण</p>		<p>वेयरहाउस में सुरक्षा के लिए फर्श के संकेत और उत्पादों की अन्य श्रृंखला।</p>

तालिका 1.5.3 सुरक्षा उपकरण

यूनिट 1.6: परिवहन में दस्तावेजीकरण

यूनिट के उद्देश्य



इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. परिवहन में दस्तावेजीकरण के महत्व की चर्चा करना।
2. परिवहन में इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न दस्तावेज समझाना।

1.6.1 परिवहन दस्तावेज

दस्तावेजीकरण परिवहन सेवाओं का एक और बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिस प्रकार बैंक जमाकर्ता के धन का संरक्षक होता है, उसी प्रकार ट्रांजिट इनवेंटरी के रूप में ट्रांसपोर्ट भी मूल्य का संरक्षक होता है। पारगमन में इनवेंटरी को कोई भी नुकसान, पैसे की हानि है।

परिवहन सेवाओं में, यह सुनिश्चित करने के लिए दस्तावेजों का उपयोग किया जाता है कि माल का कानूनी रूप से परिवहन किया जाता है, वाहन प्रभारी को पता होता है कि कौन सा माल ले जाया जा रहा है और ग्राहक को, वाहन को उतारने से पहले माल का विवरण और मात्रा जानना चाहिए। सामान्य तौर पर, माल के परिवहन के दौरान निम्नलिखित दस्तावेजों की आवश्यकता होती है:

चालान संदर्भ संख्या (आईआरएन - IRN)

वाहन के प्रभारी व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले कर चालान के विकल्प के रूप में, आरएन (RN) प्रदान किया जाता है। पारगमन के दौरान सरकारी अधिकारियों द्वारा सत्यापन के मामले में, आईआरएन (IRN) को परिवहन के लिए कर चालान के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

चालान संदर्भ संख्या (आईआरएन - IRN), जीएसटीएन (GSTN) पोर्टल द्वारा जीएसटी आईएनवी-1 (GST INV-1) के रूप में, ऐसे पोर्टल पर विक्रेता द्वारा कर चालान का विवरण अपलोड करने के बाद उत्पन्न होती है।

डिलीवरी चालान

यह एक ऐसा रजिस्टर है, जिसका उपयोग वेयरहाउस से सभी आउटगोइंग माल को वाहन में रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है।



चित्र 1.6.1 डिलीवरी चालान

गुड्स रिसीट नोट (जीआरएन - GRN)

जब आने वाले शिपमेंट विवरण सिस्टम में दर्ज किए जाते हैं, तो कंप्यूटर सिस्टम एक दस्तावेज तैयार करता है जिसे गुड्स रिसीट नोट (जीआरएन - GRN) कहा जाता है।

eZee Technosys Pvt. Ltd.
International Trade Center
Majura Gate

Goods Receipt Note

GRN #	CSGRN20	Vendor	Seven Eleven
Voucher No	123	Reg. No.	12
Date	29-03-2019	Print Date	29-03-2019 12:27:29
Receiving Store	Central Store	Print By	Admin
Purchase Order#	CSOR02		

Item Name	Quantity	Unit	Rate	Dis. Amount	Tax	Amount
Ajwaan	2.000	Kgs	120.0000	0.0000	48.0000	288.0000
Action	10.000	Par	6.8100	0.0000	0.0000	68.1000
Total						
	Amount	Tax	Discount %	DiscountAmount	Add/Less	Bill Amount
	356.1000	48.0000	0.0000	0.0000	0.0000	356.1000 E

Purchasing Clerk: _____ Store: _____
Director / Manager: _____ Security: _____

चित्र 1.6.2 गुड्स रिसीट नोट (जीआरएन - GRN)

ई-वे बिल

यह एक ऐसा बहीखाता है, जो विभिन्न उत्पादों की आवक और जावक प्रविष्टियों को बनाए रखता है और किसी भी समय वर्तमान स्टॉक स्तर को इंगित करता है।



चित्र 1.6.3 नमूना ई-वे बिल (भाग A और B)

बिक्री चालान

यह एक एक ऐसा महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो वेयरहाउस से खरीदार को माल के स्वामित्व की बिक्री और हस्तांतरण का सबूत देता है।

TAX INVOICE					
ABC ENTERPRISES					
123 B 2018 XXXXXX PUSA ROAD, NEW DELHI-110005 GSTIN No 07APAFD8245XXXX					
Billed To:		Billed to Supply		Invoice No:	Date:
RK Electrical Works		RK Electrical Works		EP-1001	1-Jul-17
A-10 Rajpur Garden New Delhi GSTIN No -07BBUPS5252XXXX		A-10 Rajpur Garden New Delhi			
Description of Goods	HSN CODE	QTY	Units	RATE	Amount
LED LIGHTS	8501	50	pcs	200	10000
Bulbs	8501	1	1000pcs	1000	10000
Total					20000
Less Discount 20%					5000
Taxable Value					20000
ADD CGST 6%				6%	1200
ADD SGST 6%				6%	1200
Total					22400.00
Amount in words (in words) Rupees: Twenty Two Thousand Four Hundred only					For ABC ENTERPRISES Authorized Signatory
Company's PAN: AAR057231					
Highlights are made checked in Block of '00 Emergencies'					

चित्र 1.6.4 बिक्री चालान

सलाह



एक सफल वेयरहाउस डेटा फीडर बनने के लिए

- उपलब्धि प्रेरणा सीखी जा सकती है।
- गलतियां करने से न डरें। लेकिन गलतियों से सीखना सुनिश्चित करें और कोशिश करें कि वही गलती न दोहराएं।
- जो आप शुरू करते हैं, उसे पूरा करने के लिए खुद को प्रशिक्षित करें।
- बड़ा सोचें।

सारांश



आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन की मूल बातें जमीनी स्तर पर और एक कुशल आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन में लॉजिस्टिक्स लिंकेज के महत्व पर चर्चा की जाती है। आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के तीन मुख्य प्रवाहों को इस अध्याय में स्पष्ट रूप से समझाया गया है। आप निर्धारित लक्ष्यों के साथ ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर के रूप में व्यक्ति की मुख्य भूमिकाओं को समझने में सक्षम होंगे। इस यूनिट में परिवहन सेवाओं और परिवहन में प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई है।

अभ्यास



बहु विकल्पीय प्रश्न

1. आपूर्ति श्रृंखला प्रक्रिया का सही क्रम है
 - a) प्लान - मेक - सोर्स - मेक - रिटर्न
 - b) प्लान - सोर्स - मेक - डिलीवर - रिटर्न
 - c) प्लान - मेक - डिलीवर - सोर्स - रिटर्न
 - d) प्लान - सोर्स - डिलीवर - मेक - रिटर्न
2. निम्नलिखित में से कौन-सा वर्गीकरण, वेयरहाउस में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों का वर्गीकरण नहीं है?

a) भंडारण	b) सुरक्षा
c) अर्थ मुद्दिंग	d) सामग्री का संचालन
3. निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि, वेयरहाउस प्रक्रिया में शिपिंग गतिविधि का हिस्सा है?

a) आदेश का प्रसंस्करण	b) वाहन को अनलोड करना
c) चक्र की गिनती	d) परिवहन का बिल फाइल करना
4. निम्नलिखित में से कौन-सी भूमिका, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर द्वारा निर्भाई जाती है?

a) समेकन केंद्र (कंसोलिडेशन हब)	b) ब्रेक बल्क
c) मूल्य संवर्धित सेवाएं	d) वाहन योजना

रिक्त स्थान भरें

1. नदी और नहरों के ऊपर माल की आवाजाही को _____ कहा जाता है।
2. वेयरहाउस से सभी आउटबाउंड परिवहन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार यह पद _____ है।
3. _____, माल के प्रेषण (डिस्पैच) के समय ट्रांसपोर्टर द्वारा वेयरहाउस को दी गई माल की पावती है।
4. ग्राहक द्वारा मांगी गई सामग्री को इकट्ठा करने के लिए उपयोग किए जाने वाले दस्तावेज को _____ कहा जाता है।

सही या गलत

1. लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन का हिस्सा है।
2. सभी साधनों में जल परिवहन का सबसे सस्ता साधन है।
3. ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर के लिए, वाहन नियोजन, आवश्यकताओं में से एक नहीं है।
4. सुरक्षा गार्ड और ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर वेयरहाउस में ऐसे दो स्वतंत्र लोग हैं, जो एक दूसरे के साथ मुश्किल से बातचीत करते हैं।



Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत



सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP



N · S · D · C
National
Skill Development
Corporation

Transforming the skill landscape



2. संचालन योजना

यूनिट 2.1 - ऑपरेटिंग सिस्टम का सेटअप और लॉगिन

यूनिट 2.2 - संचालन योजना

यूनिट 2.3 - सूचना फीडिंग



LSC/N1110

मुख्य सीख



इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. एसओपी (SOP) के अनुसार संचालन शुरू करने के लिए कंप्यूटर और टीएमएस (TMS)/ट्रैकिंग सिस्टम स्थापित करने की प्रक्रिया समझाना
2. परिवहन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस - TMS) और आईटी (IT) टीम को इसकी रिपोर्ट करने की प्रक्रिया में त्रुटि की पहचान करना
3. आवश्यकता के अनुसार डेटा अद्यतन गतिविधि में शामिल चरणों का विवरण देना

यूनिट 2.1: ऑपरेटिंग सिस्टम का सेटअप और लॉगिन

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. संचालन शुरू करने के लिए कंप्यूटर स्थापित करने की प्रक्रिया समझना
2. गोपनीय डेटा के महत्व को विस्तार से बताना
3. टीएमएस (TMS) और इसके लाभों को परिभाषित करना
4. ईआरपी (ERP) और इसके लाभों को परिभाषित करना

2.1.1 संचालन के लिए कंप्यूटर की स्थापना

दिन-प्रतिदिन के कार्यों को शुरू करने के लिए कंप्यूटर स्थापित करने के विभिन्न चरण निम्नलिखित हैं:

चरण 1: दिए गए प्रबंधक द्वारा दी गई समय सीमा का पालन करें

चरण 2: अपना कंप्यूटर चालू करें और अपनी कंपनी की आधिकारिक ई-मेल आईडी और पासवर्ड के साथ लॉगिन करें

चरण 3: दैनिक संचालन शुरू होने से पहले, परिवहन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस - TMS)/एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी - ERP)/सी एंड आईपी (कम्प्लेंट और इश्यूपोर्टल) होमपेज पर अद्यतन प्रविष्टियों की जांच करें।

चरण 4: सुनिश्चित करें कि आपका कंप्यूटर संचालन के लिए तैयार है और संचालन शुरू करने से पहले आवश्यक किसी भी सॉफ्टवेयर अपडेट को पूरा करें

2.1.2 गोपनीय डेटा का महत्व

वेयरहाउस कई महत्वपूर्ण डेटा और सूचनाओं का भंडार है। सभी आवक आवाजाही, जावक आवाजाही और स्टॉक की जानकारी, वेयरहाउस में दर्ज की जाती है। वेयरहाउस उत्पादों के मूल्य निर्धारण, इंट संरचना, बिक्री संख्या, स्टॉक डेटा और कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में जानकारी रखता है। इन सभी सूचनाओं को संरक्षित करने की आवश्यकता है और यह केवल सही हाथों में होनी चाहिए।

संरक्षित जानकारी किसी भी रूप हो सकती है, उदाहरण के लिए इलेक्ट्रॉनिक या भौतिक

1. मूर्त - कागजी कार्रवाई और वेयरहाउस में होने वाले विभिन्न लेनदेन के रिकॉर्ड के रूप में
2. अमूर्त - कंप्यूटर और सर्वर के अंदर संग्रहीत इलेक्ट्रॉनिक रूप में विभिन्न डेटा।

सूचना सुरक्षा:

सूचना सुरक्षा, सूचना की सुरक्षा का अभ्यास है। इसमें आम तौर पर डेटा तक अनधिकृत/अनुचित पहुंच, या गैरकानूनी उपयोग, प्रकटीकरण, व्यवधान, विलोपन, भ्रष्टाचार, संशोधन, निरीक्षण, रिकॉर्डिंग या सूचना के अवमूल्यन को रोकना शामिल है। इसमें ऐसी घटनाओं के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से कार्रवाई भी शामिल है।

सूचना सुरक्षा का प्राथमिक फोकस, संगठन की उत्पादकता में बाधा डाले बिना, कुशल नीति कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए गोपनीयता, अखंडता और डेटा की उपलब्धता की संतुलित सुरक्षा है। यह बड़े पैमाने पर एक संरचित सूचना जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।

निम्नलिखित कुछ कदम हैं, जिनका उपयोग सूचना की अखंडता की रक्षा के लिए किया जा सकता है:

- **हार्डवेयर लॉक करें:** कंप्यूटर सिस्टम को दिन के अंत में, छुट्टियों में और उपयोग में नहीं होने पर बंद कर देना चाहिए।
- **निजी ब्राउजिंग बंद करें:** वेयरहाउस टीम के पास ऐसी सीमित साइटों तक पहुंच होनी चाहिए, जो केवल कर्तव्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक हैं। सभी निजी ब्राउजिंग साइटों को बंद कर देना चाहिए।
- **अच्छे पासवर्ड प्रबंधन का पालन करें:** पासवर्ड की सीमित पहुंच होनी चाहिए। वे वेयरहाउस में संबंधित लोगों के पास ही उपलब्ध होने चाहिए। वे मजबूत और अद्वितीय और याद रखने में मुश्किल होने चाहिए। वे आदर्श रूप से वर्णों, संख्या और विशेष वर्णों का एक संयोजन होना चाहिए। इसके अलावा, उन्हें समय-समय पर संशोधित किया जाना चाहिए।
- **दो-कारक (टू-फैक्टर) प्रमाणीकरण का उपयोग करें:** बहुत असतत (डीस्क्रीट) जानकारी के मामले में, कंपनियां एक्सेस के लिए, दो स्तर के प्रमाणीकरण की नीति लागू कर सकती हैं।
- **सॉफ्टवेयर को अपडेट रखें:** आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर के नवीनतम अपडेट इंस्टॉल करें। नए अपडेट सुरक्षा और डेटा सुरक्षा के मामले में बेहतर सुविधाएं प्रदान करते हैं।
- **फिशिंग से बचें - संदिग्ध ईमेल से सावधान रहें:** अविश्वसनीय स्रोतों से कोई ईमेल या डेटा न खोलें। लगातार संदेहास्पद रहें और फिशिंग से संबंधित किसी भी जोखिम से बचें।
- **सॉफ्टवेयर डाउनलोड न करें:** वेयरहाउस में कर्मचारी द्वारा कोई सॉफ्टवेयर डाउनलोड नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि कंपनी आईटी (IT) टीम द्वारा अनुमोदित न हो। अज्ञात वेबसाइटों पर जाने या अविश्वसनीय स्रोतों से सॉफ्टवेयर डाउनलोड करने से बचें। ये साइटें अक्सर मैलवेयर होस्ट करती हैं जो स्वचालित रूप से, और अक्सर चुपचाप, डेटा कंप्यूटर से समझौता कर लेती हैं।
- **एंटी-वायरस सुरक्षा स्थापित करें:** एक मजबूत एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर जरूरी है। अधिकांश समय कंपनियां कंपनी के अनुसार एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर और सुरक्षा प्रणालियों का पालन करती हैं।
- **कोई बाहरी मेमोरी डिवाइस नहीं:** वेयरहाउस में कोई बाहरी मेमोरी डिवाइस जैसे हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव की अनुमति नहीं होनी चाहिए। आदर्श रूप से सभी यूएसबी (USB) पोर्ट्स को भी अवरुद्ध कर दिया जाना चाहिए ताकि सूचना तक किसी भी पहुंच से बचा जा सके।
- **अपने डेटा का बैकअप लें:** नियमित रूप से बैकअप लें। यदि कोई डेटा सुरक्षा घटना होती है, तो आपके कंप्यूटर को सुधारने का एकमात्र गारंटीकृत तरीका सिस्टम को मिटाना और फिर से स्थापित करना है।

2.1.3 टीएमएस (TMS) और इसके लाभों को परिभाषित करें

ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (टीएमएस - TMS) एक ऐसे गतिशील सॉफ्टवेयर को संदर्भित करता है, जो वाहन शेड्यूलिंग, वाहन क्षमता उपयोग, पीओडी (PoD) का प्रबंधन, पारगमन में वाहन ट्रैकिंग और वितरण प्रबंधन सहित किसी भी संगठन के लिए दिन-प्रतिदिन परिवहन संबंधी गतिविधियों का प्रबंधन करता है। टीएमएस (TMS) एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जो किसी संगठन के परिवहन और वितरण प्रदर्शन पर योजना, बजट, प्रबंधन, नियंत्रण और रिपोर्ट में मदद करता है।

टीएमएस (TMS) सिस्टम, कई व्यावसायिक प्रक्रियाओं को एक साथ जोड़ता है और उनके बीच डेटा के प्रवाह को सक्षम बनाता है। टीएमएस (TMS) सिस्टम, एक संगठन के साझा लेनदेन संबंधी डेटा को कई स्रोतों से एकत्र करके डेटा दोहराव को समाप्त करता है और सत्य के एकल स्रोत के साथ डेटा अखंडता प्रदान करता है।

आज, दुनिया भर में सभी आकार और प्रकार की हजारों कंपनियों द्वारा टीएमएस (TMS) सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

परिवहन प्रबंधन प्रणाली का व्यावसायिक मूल्य

टीएमएस (TMS), निम्नलिखित सहित कई व्यावसायिक लाभ प्रदान करता है

- रीयल-टाइम जानकारी के आधार पर रिपोर्ट का उपयोग करके बेहतर व्यावसायिक जानकारी
- कुशल व्यावसायिक प्रक्रियाओं और सर्वोत्तम प्रथाओं की तैनाती के माध्यम से परिचालन लागत में कमी।
- डेटा साझा करना और विभिन्न कार्यों में उपयोगकर्ता के बीच व्यापक सहयोग
- लगातार बुनियादी ढांचा और की जा रही सभी व्यावसायिक गतिविधियों का रंगरूप
- डेटा की अखंडता और वित्तीय नियंत्रण, संगठन के लिए कम जोखिम सुनिश्चित करते हैं।
- ग्राहकों की गतिशील आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता
- निर्धारित व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में निर्णय लेने वालों की सहायता करना
- वितरण, गुणवत्ता और लागत के मामले में आपूर्ति श्रृंखला संचालन को अनुकूलित करना

टीएमएस (TMS) के लाभ

वेयरहाउस डेटा फीडर ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए ईआरपी (ERP) सिस्टम का उपयोग कर सकता है। ईआरपी (ERP), निम्नलिखित के लिए वेयरहाउस डेटा फीडर की मदद कर सकता है:

- समय पर वाहन प्लेसमेंट।
- डिलीवरी शेड्यूल के बारे में ग्राहक को सूचित करना
- एसएलके (SLA) के आधार पर लोड होने वाले ग्राहक ऑर्डर को प्राथमिकता देना
- उन्हें डिलीवरी की तारीखों के बारे में सूचित करना
- उनके प्रश्नों और शिकायतों का उत्तर देना
- पारगमन में वाहन ट्रैकिंग और डिलीवरी अपडेट
- ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर, ग्राहक को सेवा प्रदान करने के लिए निम्नलिखित में से कुछ रिपोर्टों का उपयोग कर सकता/सकती है।
- डिलीवरी की स्थिति- ग्राहक-वार, लेन-वार, शहर-वार और दैनिक
- पारगमन में वाहन- ग्राहक-वार, लेन-वार और शहर-वार

2.1.4 ईआरपी (ERP) और इसके लाभों को परिभाषित करें

एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी - ERP), एक बड़े सॉफ्टवेयर को संदर्भित करता है जो लेखांकन, सोर्सिंग, आपूर्ति श्रृंखला संचालन, मानव संसाधन प्रबंधन और विनिर्माण सहित किसी भी संगठन के लिए दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों का प्रबंधन करता है। ईआरपी (ERP) एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जो किसी संगठन के प्रदर्शन पर योजना, बजट, प्रबंधन, नियंत्रण और रिपोर्ट में मदद करता है।

ईआरपी (ERP) सिस्टम, कई व्यावसायिक प्रक्रियाओं को एक साथ जोड़ते हैं और उनके बीच डेटा के प्रवाह को सक्षम करते हैं। ईआरपी (ERP) सिस्टम, एक संगठन के साझा लेनदेन संबंधी डेटा को कई स्रोतों से एकत्र करके डेटा दोहराव को समाप्त करते हैं और सत्य के एकल स्रोत के साथ डेटा अखंडता प्रदान करते हैं।

आज, दुनिया भर में सभी आकारों और प्रकारों की हजारों कंपनियों द्वारा ईआरपी (ERP) सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है, ईआरपी (ERP) अब बिजली के रूप में लगभग अनिवार्य है।

ईआरपी (ERP) का व्यावसायिक मूल्य

- ईआरपी (ERP) निम्नलिखित सहित कई व्यावसायिक लाभ प्रदान करता है:
- रीयल-टाइम जानकारी के आधार पर रिपोर्ट का उपयोग करके बेहतर व्यावसायिक जानकारी
- कुशल व्यावसायिक प्रक्रियाओं और सर्वोत्तम प्रथाओं की तैनाती के माध्यम से परिचालन लागत में कमी।
- डेटा साझा करना और विभिन्न कार्यों में उपयोगकर्ता के बीच व्यापक सहयोग
- लगातार बुनियादी ढांचा और की जा रही सभी व्यावसायिक गतिविधियों का रंगरूप
- डेटा की अखंडता और वित्तीय नियंत्रण, संगठन के लिए कम जोखिम सुनिश्चित करते हैं।
- ग्राहकों की गतिशील आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता
- निर्धारित व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में निर्णय लेने वालों की सहायता करना
- एक सामान्य प्रणाली पर बिक्री और वितरण, सामग्री प्रबंधन, वित्त और नियंत्रण जैसे सभी व्यावसायिक कार्यों को एकीकृत करना
- वितरण, गुणवत्ता और लागत के मामले में आपूर्ति श्रृंखला संचालन को अनुकूलित करना
- आने वाले वर्षों में विस्तार और विकास योजनाओं की तैयारी के लिए

ईआरपी (ERP) के लाभ

वेयरहाउस डेटा फीडर ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए ईआरपी (ERP) सिस्टम का उपयोग कर सकता है। ईआरपी (ERP), निम्नलिखित के लिए वेयरहाउस डेटा फीडर की मदद कर सकता है:

- ग्राहक आदेश को समय पर निष्पादित करना।
- डिलीवरी शेड्यूल के बारे में ग्राहक को सूचित करना
- ग्राहक के आदेशों को प्राथमिकता देना
- उन्हें डिलीवरी की तारीखों के बारे में सूचित करना
- उनके प्रश्नों और शिकायतों का उत्तर देना
- सेल्स रिटर्न का प्रसंस्करण करना

वेयरहाउस डेटा फीडर, ग्राहक को सेवा देने के लिए निम्नलिखित में से कुछ रिपोर्ट का उपयोग कर सकता है।

- बिक्री आदेश- उत्पाद-वार ग्राहक-वार स्थान-वार दैनिक
- लंबित बिक्री आदेश- उत्पाद-वार ग्राहक-वार स्थान-वार
- रद्द बिक्री आदेश- उत्पाद-वार ग्राहक-वार स्थान-वार
- आदेश/चालान-वार उत्पाद-वार ग्राहक-वार स्थान-वार दैनिक
- बिक्री रिटर्न- उत्पाद-वार ग्राहक-वार स्थान-वार दैनिक
- बिक्री रजिस्टर- उत्पाद-वार ग्राहक-वार स्थान-वार दैनिक
- कर योग्य टर्न ओवर स्थानवार-वार मासिक के साथ देय जीएसटी कर
- बिक्री रिपोर्ट- वितरक वार-क्लस्टर वार-एमटी

यूनिट 2.2: संचालन योजना

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. वाहन योजना और गणना की समझ
2. वाहन प्लेसमेंट और दस्तावेजीकरण के लिए विक्रेता से समन्वय में अनुभव

2.2.1 संचालन योजना

ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर का सबसे पहला कार्य, दिन के संचालन के लिए आवश्यक वाहनों की संख्या के साथ-साथ उनके प्रकार/आयाम को जानना/अनुमान लगाना और उन वाहनों को विक्रेता से व्यवस्थित करना है। फिर दूसरे कार्य में उन वाहनों को सही समय पर वेयरहाउस डॉक पर रखना शामिल है, ताकि वेयरहाउस एसएलए (SLA) भंग न हो सामग्री समय पर गंतव्य तक पहुंचाई जा सके।

इसलिए, यदि हम क्रम से ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर के कार्यों को सूचीबद्ध करते हैं, तो यह इस तरह दिखेगा:

- वाहन योजना
- वाहन व्यवस्था
- वेयरहाउस डॉक पर वाहन की प्लेसमेंट
- दस्तावेजों के साथ, वेयरहाउस से वाहन का समय पर प्रेषण (डिस्पैच)
- वाहन/शिपमेंट ट्रैकिंग
- डिलीवरी का सबूत (PoD) का प्रबंधन

वाहन योजना:

- वाहन नियोजन के लिए, परिवहन को निम्नलिखित के संबंध में डेटा एकत्र करने की आवश्यकता है-
- विभिन्न मार्ग और स्टॉप पॉइंट्स
- मार्ग और स्टॉप-वाइज डिलीवरी बॉक्स और उनके आयाम
- विभिन्न प्रकार के वाहन उपलब्ध हैं और उनकी इन्वेंटरी

वाहन नियोजन, आमतौर पर प्राथमिकता भार और वाहन घन उपयोग (व्हीकल क्यूब यूटिलायजेशन) के आधार पर किया जाता है। उदाहरण के लिए-

आइए मान लें कि हमारे पास 268 इंच का वाहन है जिसका आयाम 268 x 45 x 48 इंच है

और नीचे दिए गए विवरण के साथ 5 प्रकार के बॉक्स हैं:

टाइप 1 बॉक्स = 64

टाइप 2 बॉक्स = 12

टाइप 3 बॉक्स = 10

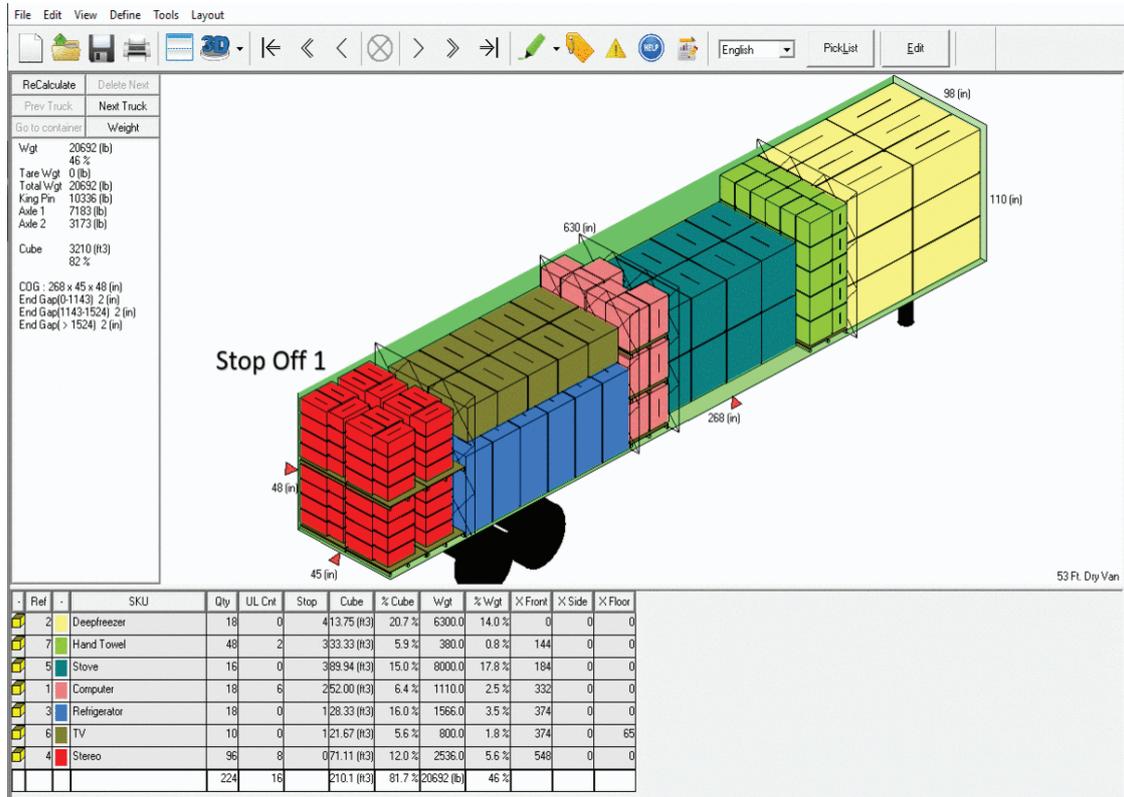
टाइप 4 बॉक्स = 24

टाइप 5 बॉक्स = 16

टाइप 6 बॉक्स = 50

टाइप 7 बॉक्स = 18

तो, सिंगल व्हीकल के लिए लोड प्लान इस तरह दिखेगा:

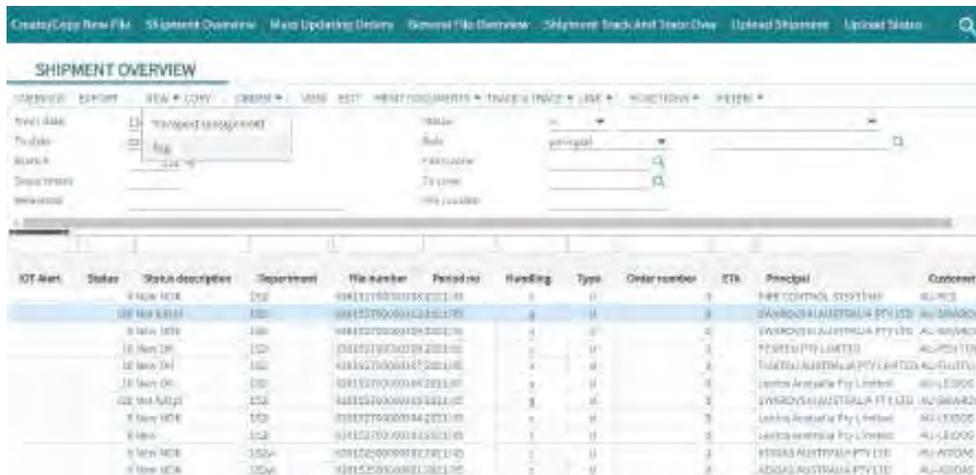


चित्र 2.2.1: स्टॉप वाले मार्ग के लिए वाहन की स्टफिंग और उनका लोडिंग/अनलोडिंग क्रम।

इसलिए, एक बार जब हम अपनी आवश्यकता के लिए आवश्यक वाहन का अनुमान लगा लेते हैं, तो हमारा अगला कार्य, विभिन्न नामांकित विक्रेताओं से इन वाहनों की व्यवस्था करना होता है।

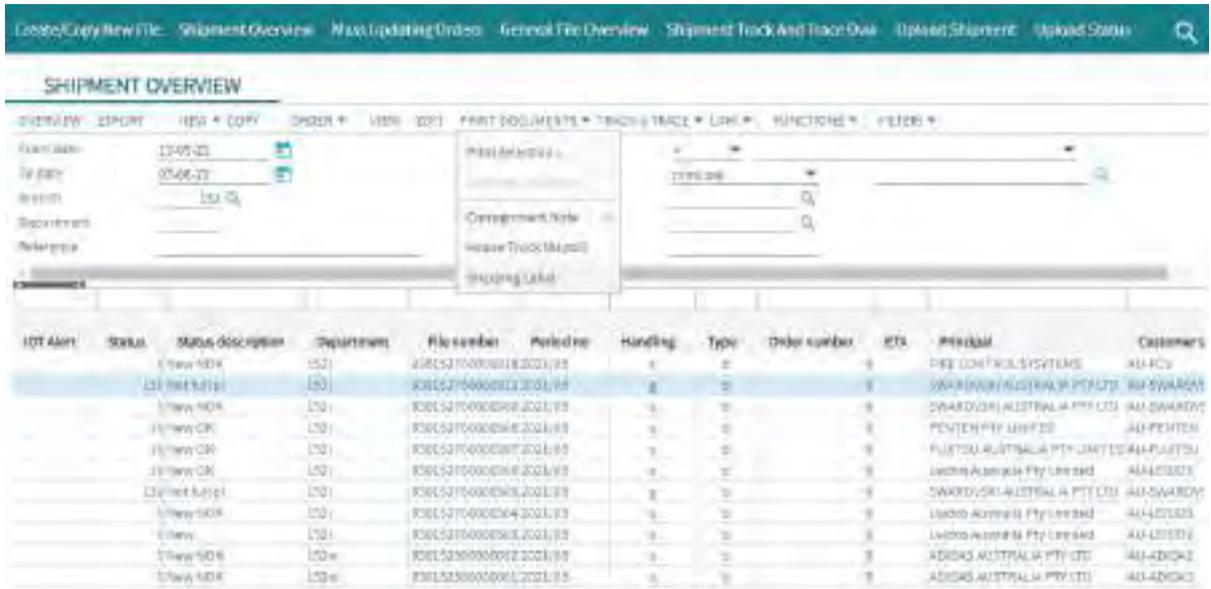
विभिन्न विक्रेताओं से वाहन की व्यवस्था करते समय, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि लोडिंग संचालन के लिए वेयरहाउस में कितने समय और कितने वाहनों को रिपोर्ट करना चाहिए। अन्यथा, अव्यवस्था और सभी के कारण हमारे परिसर में क्षमता से अधिक वाहन होने के बाद देरी होगी।

एक बार इन वाहनों की व्यवस्था और समय के साथ पुष्टि हो जाने के बाद, हमें आगे की प्रक्रिया और ट्रैकिंग के लिए शिपमेंट आउट टीएमएस (TMS) है, बनाना होगा।



चित्र 2.2.2: टीएमएस (TMS) में शिपमेंट निर्माण

और प्रेषण (डिस्पैच) के दौरान, दस्तावेज यहां से मुद्रित किया जा सकता है खचालान और ई-वे बिल अन्य ईपीआर (ERPs) से मुद्रित किया जाएगा):



चित्र 2.2.3: टीएमएस (TMS) से दस्तावेज मुद्रण

यूनिट 2.3: सूचना फीडिंग

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. ट्रेकिंग सिस्टम/टीएमएस (जडै) की समझ
2. ट्रेकिंग सिस्टम/टीएमएस (जडै)में डेटा संग्रह और सूचना फीडिंग में अनुभव

2.3.1 जानकारी प्रदान करना (इनफार्मेशन फीडिंग)

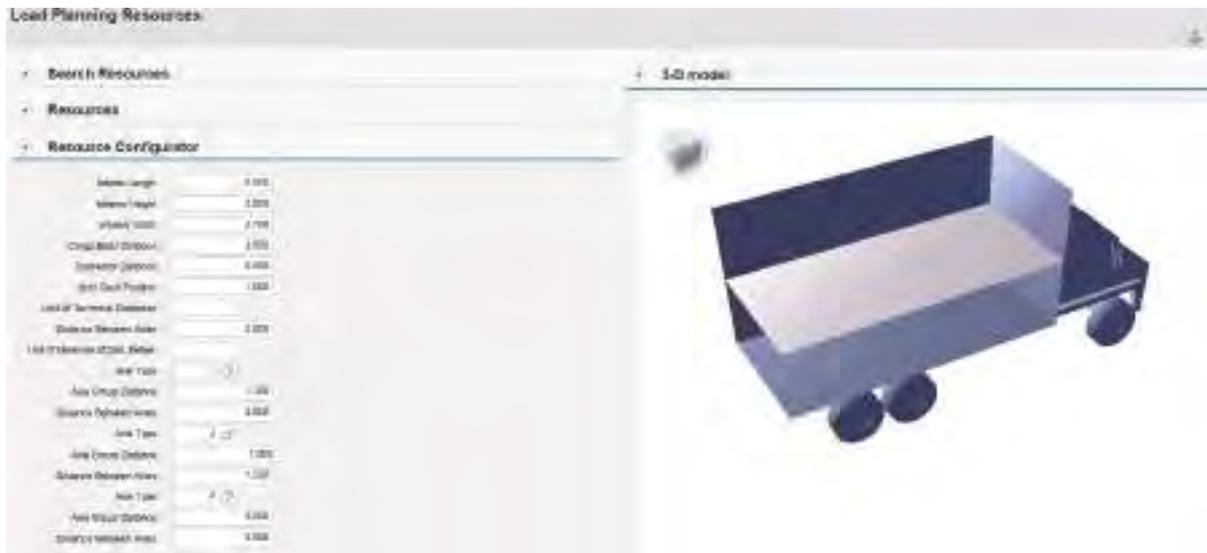
“ऑपरेशन प्लानिंग” पर उपरोक्त अध्याय से, हम समझते हैं कि ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर के रूप में हमें कौन से सभी ऑपरेशन करने की आवश्यकता है और सभी डेटा एकत्र करने की आवश्यकता है और उनका उपयोग कैसे किया जाता है।

अब, एक बार जब हम सभी डेटा एकत्र कर लेते हैं, तो हमें उन्हें कुछ पोर्टल्स/प्लेटफॉर्म/टेम्पलेट पर फीड करने की आवश्यकता होती है, ताकि या तो यह अधिकृत अधिकारियों को दिखाई दे, और वे अपनी ओर से समय पर कार्रवाई कर सकें, या हम प्रणाली से आउटपुट का सेट प्राप्त कर सकें, जिसे हम अपने आगे के कार्यों के लिए उपयोग कर सकते हैं।

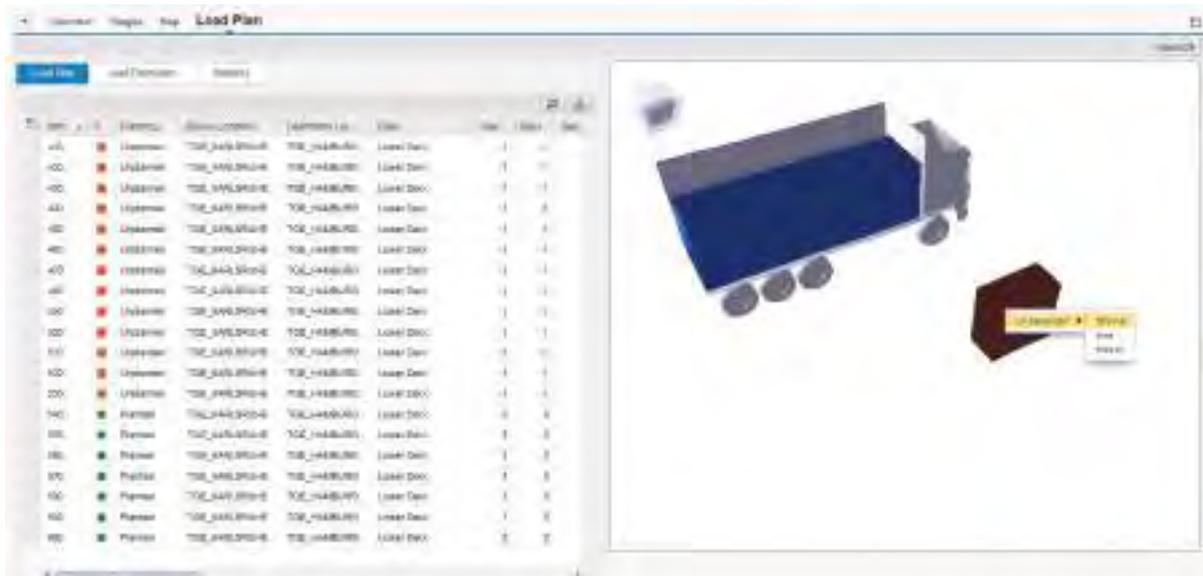
उपरोक्त अध्याय से, हम देख सकते हैं कि वाहन के नियोजन के लिए निम्नलिखित डेटा की आवश्यकता है:

- विक्रेताओं के पास उपलब्ध वाहन का प्रकार और मात्रा
- स्टॉप, मार्ग और गंतव्यों के साथ डिब्बों को प्रेषण (डिस्पैच) करना

यह जानकारी किसी भी लोड प्लानर टूल में फीड की जाएगी और हमें एक परिणाम मिलेगा जिसमें वाहन का आकार, लोड किए गए कार्टन, स्टॉप, मार्ग इत्यादि शामिल होंगे और तदनुसार हम अगले चरणों के लिए आगे बढ़ेंगे।

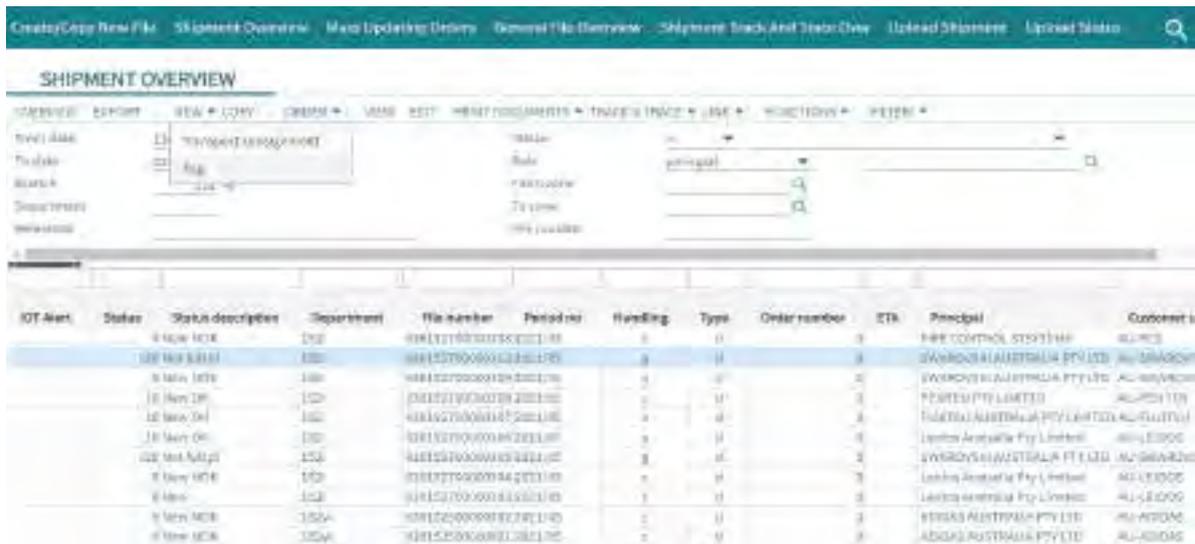


चित्र 2.3.1: लोड प्लानर में वाहन प्रकार की जानकारी फीडिंग



चित्र 2.3.2: लोड प्लानर में बॉक्स स्तरीय सूचना फीडिंग

इसी तरह, एक बार जब वाहनों की योजना बना ली जाती है और हम नीचे दिए गए मार्ग और गंतव्यों के लिए शिपमेंट/ट्रिप बनाते हैं:



चित्र 2.3.3: शिपमेंट/ट्रिप का निर्माण

सलाह



- ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर की भूमिका के लिए संचालन योजना बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है।
- सटीक और सही लोड योजना, हमेशा परिवहन में किसी भी कंपनी के लिए प्रयास और पैसा बचाती है।
- शिपमेंट डेटा को सही ढंग से फीड किया जाना चाहिए, ताकि ऑर्डर/शिपमेंट की ट्रैकिंग आसान हो सके।

सारांश



इस अध्याय में हमने ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर के जीवन में शामिल विभिन्न गतिविधियों के साथ-साथ संचालन योजना, विभिन्न प्रकार के डेटा और उनकी उपयोगिता के बारे में चर्चा की। हमने इस बारे में भी संक्षेप में चर्चा की, कि उपयोगी परिणामों और कार्यों के लिए सिस्टम में इन डेटा का उपयोग कैसे किया जा सकता है।

अभ्यास



1. परिवहन में ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेशन की महत्वपूर्ण भूमिका क्यों है?
2. ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेशन में शामिल उन सभी गतिविधियां समझाइएं।
3. लोड प्लानिंग के लिए कौन से डेटा की आवश्यकता है?
4. शिपमेंट ट्रैकिंग लोड प्लानिंग का हिस्सा है या नहीं?
5. शिपमेंट, विक्रेता या ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर द्वारा बनाया जाता है।

नोट्स



वीडियो देखने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें या संबंधित लिंक पर क्लिक करें



<https://youtu.be/o9JGsIMNq5o>

सुरक्षा के तत्व



https://youtu.be/Fq0_wMz8qYw

परिवहन प्रबंधन प्रणाली



<https://youtu.be/qi3E6x0qQ2w>

रूटिंग क्या है





3. माल की स्थिति की निगरानी

यूनिट 3.1 - ट्रकिंग कंपनियों के साथ समन्वय करना

यूनिट 3.2 - पारगमन में फॉलो-अप



मुख्य सीख



इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. ट्रांसपोर्टर्स के साथ परिवहन आवश्यकता पर चर्चा और समन्वय करना
2. वाहन चालक के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में समझना
3. कंसाईमेंट वितरण प्रक्रिया में शामिल चरणों का विवरण देना

यूनिट 3.1: ट्रकिंग कंपनियों के साथ समन्वय करना

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. ट्रांसपोर्टर को परिवहन आवश्यकता समझाना और वाहन की व्यवस्था करना
2. निर्धारित वाहनों पर अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलो-अप)

3.1.1 नई वाहन की आवश्यकता प्रस्तुत करना

उपरोक्त अध्यायों में हमने समझा कि कैसे वाहन का आकार, क्षमता और प्रकार, गणितीय मॉडलिंग और माल के व्यवहार के साथ-साथ उनके मार्ग नियोजन और लोडिंग पैटर्न द्वारा निर्धारित किया जाता है।

अब, एक बार जब हम उपरोक्त जानकारी के साथ तैयार हो जाते हैं, तो अगला कदम नामांकित ट्रकिंग कंपनी के साथ समन्वय करना और वेयरहाउस में वाहन लगाने के लिए अपनी आवश्यकता को रखना है। ट्रकिंग कंपनी के साथ वाहन प्लेसमेंट के लिए समन्वय करते समय हमें ट्रांसपोर्टर को पर्याप्त जानकारी देनी चाहिए ताकि हमारी आवश्यकता सही ढंग से पूरी हो सके। उच्च स्तर पर, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को नई वाहन आवश्यकता प्रस्तुत करते समय, ट्रकिंग कंपनी के साथ डेटा के निम्नलिखित मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए:

1. उद्गम स्थान
2. गंतव्य स्थान
3. वाहन का प्रकार
 - a. ओपन बॉडी
 - b. क्लोज बॉडी
 - c. हवाला देना (रिफर)
4. वाहन का आकार
 - a. बॉडी का नाप
 - b. भार क्षमता
5. वाहन की सफाई
6. उद्गम स्थान पर निर्धारित आगमन समय
7. उद्गम से निर्धारित प्रस्थान समय
8. गंतव्य स्थान पर निर्धारित आगमन समय
9. गंतव्य से निर्धारित प्रस्थान समय

ट्रांसपोर्टर के साथ डेटा के उपरोक्त मुद्दों पर चर्चा के बाद, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को सही वाहन उपलब्धता के बारे में पुष्टि के लिए पूछना चाहिए और उसे शेड्यूल करना चाहिए और लिखित पुष्टि प्राप्त करनी चाहिए।

उसी पर ट्रांसपोर्टर से।

3.1.2 निर्धारित वाहन पर अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलो-अप)

उपरोक्त अध्याय में, हमने उन सभी डेटा बिंदुओं के बारे में विस्तार से चर्चा की, जिन पर एक नई आवश्यकता रखते समय ट्रांसपोर्टर के साथ चर्चा करने की आवश्यकता है। एक बार नए वाहन की आवश्यकता हो जाने के बाद, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को पहले से ही निर्धारित वाहन बुकिंग पर ट्रांसपोर्टर के साथ अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलो-अप) करनी चाहिए ताकि अनुसूची से किसी भी विचलन को आसानी से प्रबंधित किया जा सके।

अब सवाल यह है कि आगमन से पहले हमें नई बुकिंग के लिए कब और कितनी बार फॉलो-अप करने चाहिए। इसलिए, यह ज्यादातर इस बात पर निर्भर करता है कि हमने बुकिंग कब की और बुकिंग समय और निर्धारित आगमन समय के साथ-साथ ट्रांसपोर्टर पार्किंग से मूल स्थान के बीच यात्रा के समय के बीच कितना समय अंतराल है। यदि बुकिंग और निर्धारित आगमन समय के बीच का अंतर ट्रांसपोर्टर पार्किंग से मूल स्थान यात्रा के समय से अधिक है, तो हम 2 या अधिक समय का अनुसरण कर सकते हैं, लेकिन ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को उस समय के निकट एक बार अनुवर्ती कार्रवाई करनी चाहिए जब वाहन से ट्रांसपोर्टर परिसर छोड़ने और अद्यतन करने की उम्मीद की जाती है निर्धारित आगमन की वास्तविक स्थिति और यदि ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर अनुसूचित आगमन में किसी भी अपेक्षित देरी को देख सकता है तो आवश्यक सावधानी बरतें। यदि हम इसे गणितीय सूत्र के रूप में समझाते हैं, तो यह ऐसा दिखेगा

t_b = वाहन के बुकिंग का नया समय

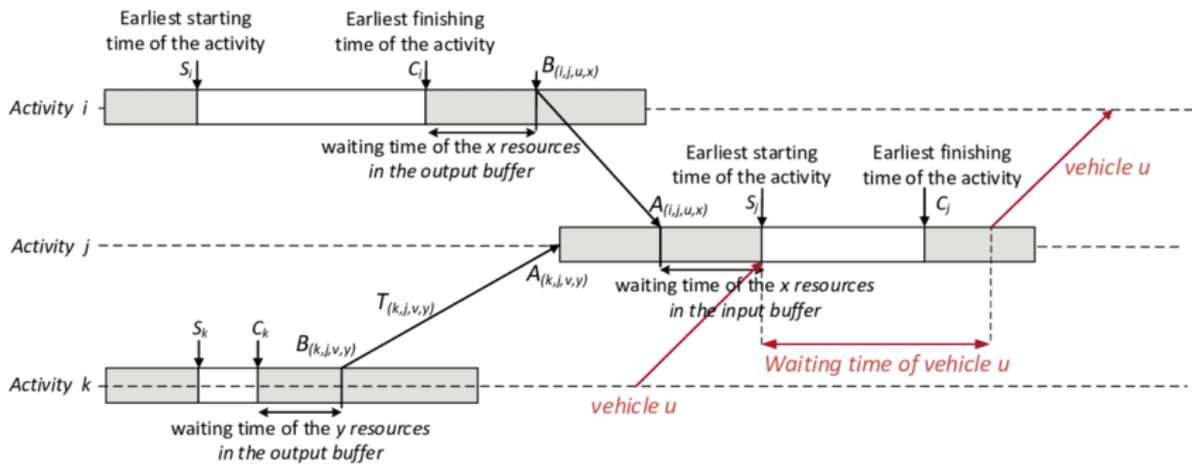
t_s = उद्गम स्थान पर वाहन के आगमन का निर्धारित समय

t_t = ट्रांसपोर्टर पार्किंग के बीच उद्गम स्थान तक वाहन की यात्रा का समय

अब अगर,

$t_s - t_b \gg t_t$; फिर 2 या अधिक फॉलो-अप

$t_s - t_b = t_t$; फिर 1 फॉलो-अप, यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अनुवर्ती है कि ट्रांसपोर्टर अनुसूची का पालन कर रहा है और अनुसूची से किसी भी विचलन के मामले में हम आवश्यक व्यवस्था कर सकते हैं।



चित्र 3.1.1: निर्धारित वाहन के लिए परिवहन समन्वय का योजनाबद्ध प्रतिनिधित्व

यूनिट 3.2: पारगमन में फॉलो-अप

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. पारगमन में फॉलो-अप और इसके महत्व पर चर्चा करना
2. ट्रांसपोर्टर के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करना
3. डिलीवरी प्रक्रिया और ट्रिप क्लोजर पर चर्चा करना

3.2.1 पारगमन में फॉलो-अप

एक बार जब माल वेयरहाउस से भेज दिया जाता है, तो यह ट्रांसपोर्टर की कस्टडी में आ जाता है और ट्रांसपोर्टर सही समय पर सही स्थिति में कंसाइनमेंट की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करता है। हालांकि, माल की समय पर डिलीवरी ट्रांसपोर्टर के दायरे में है, लेकिन यह सुनिश्चित करना कि ट्रांसपोर्टर सर्विस लेवल एग्रीमेंट (एसएलए - SLA) का पालन करता है, यह वेयरहाउस की जिम्मेदारी है और इसलिए हम पारगमन में भी कंसाइनमेंट का पालन करते हैं। पारगमन में कंसाइनमेंट फॉलो-अप का एक और लाभ है कि रास्ते में आने वाली किसी भी प्रतिकूल परिस्थितियों के लिए निवारक और सुधारात्मक उपाय पहले से ही किए जा सकते हैं। पारगमन में कंसाइनमेंट के फॉलो-अप को निम्नलिखित श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

सार्वजनिक सभा और सड़क बंदधुकावट को ट्रैक करें: ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को, डिलीवरी स्थान पर प्रतिनिधि सहित विभिन्न स्रोतों के माध्यम से राजनीतिक-सार्वजनिक सभा की स्थिति पर नजर रखनी चाहिए और यदि कोई प्रतिकूल स्थिति की जानकारी मिलती है, तो ड्राइवर को अपडेट करते रहना चाहिए।

मार्ग की सड़क की स्थिति पर फॉलो-अप: ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को विभिन्न अनुगमित (फॉलोड) सड़कों और राजमार्गों पर चालक के साथ जुड़ते रहना चाहिए और उनकी स्थिति की निगरानी करनी चाहिए। सड़क/राजमार्ग की स्थिति की निगरानी से ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को बंद होने/ब्लॉक होने की स्थिति में अपेक्षित देरी का अनुमान लगाने में मदद मिल सकती है और तदनुसार आवश्यक निवारक उपायों का पालन किया जा सकता है।

चालक के स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्थान पर फॉलो-अप: चालक के स्वास्थ्य और सुरक्षा को पारगमन में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को अपने वर्तमान स्थान के साथ चालक के स्वास्थ्य और सुरक्षा की स्थिति पर अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलो-अप) करनी चाहिए। यह ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को किसी भी प्रतिकूल स्थिति के प्रति सतर्कता के साथ मार्ग प्रगति और एसएलए (स्ल) उपलब्धि के बारे में अद्यतन करने में मदद करता है।



चित्र 3.2.1: पारगमन परिवहन समन्वय का एक योजनाबद्ध प्रतिनिधित्व।

सलाह

ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को कंसाईनमेंट मार्ग पर अपनी नजर रखनी चाहिए और प्रगति की निगरानी करनी चाहिए। ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को अपने नेटवर्क की मदद से किसी भी प्रतिकूल स्थिति को हल करने के लिए ड्राइवर के साथ जुड़ते रहना चाहिए।

सारांश

किसी भी कंसाईनमेंट को सही गुणवत्ता के साथ समय पर पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर का कार्य बहुत महत्वपूर्ण है। चूंकि ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर का कार्य वाहन नियोजन, शेड्यूलिंग और वेयरहाउस में प्लेसमेंट के साथ-साथ पारगमन में मॉनिटरिंग और माल की डिलीवरी के साथ शुरू होता है। ये सभी गतिविधियां क्रम में आती हैं और यदि इस क्रम की कोई भी घटना सही गुणवत्ता के साथ कंसाईनमेंट की समय पर डिलीवरी नहीं होती है, तो यह दांव पर लग जाएगा।

अभ्यास

1. नए वाहनकंसाईनमेंट की बुकिंग के लिए आवश्यक सभी सूचनाओं की सूची बनाएं?
2. ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर, निर्धारित वाहनों के लिए अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलो-अप) क्यों करेगा/करेगी?
3. पारगमन में कंसाईनमेंट के लिए कौन अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलो-अप) करेगा?
4. पारगमन में व्हीकल फॉलो अप के दौरान, जिनकी निगरानी की जानी चाहिए ऐसी सूचनाओं की कैटेगरी सूची बनाएं?



Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत



सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP



N · S · D · C
National
Skill Development
Corporation

Transforming the skill landscape



4. कंसाइनमेंट का वितरण और रिपोर्टिंग

यूनिट 4.1 - कंसाइनमेंट का हैंडओवर

यूनिट 4.2 - दोषपूर्ण माल की रिपोर्टिंग

यूनिट 4.3 - एस्केलेशन मैट्रिक्स



LSC/N1112

मुख्य सीख

इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. गंतव्य स्थान पर डिलीवरी क्लोज करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया की सूची बनाना
2. कंसाईनमेंट वितरण दोष के कारणों और उपचारात्मक कार्रवाइयों पर चर्चा करना
3. उन दावों के लिए वृद्धि मैट्रिक्स पर चर्चा करना, जो समय पर हल नहीं होते हैं

यूनिट 4.1: कंसाइनमेंट का हैंडओवर

यूनिट के उद्देश्य



इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. गंतव्य स्थान पर कंसाइनमेंट वितरण वितरण प्रक्रिया को समझना
2. सुपुर्दगी के प्रमाण के रूप में हस्ताक्षर करने के लिए आवश्यक दस्तावेज समझाना

4.1.1 कंसाइनमेंट का हैंडओवर

अध्याय संख्या 2 और 3 में, हमने वाहन नियोजन, वाहन समय-निर्धारण, वाहन प्लेसमेंट, माल की लोडिंग और पारगमन में ट्रैकिंग के बारे में चर्चा की। अब, अगले चरण में गंतव्य स्थान पर प्रतिनिधि को कंसाइनमेंट सौंपना शामिल है। हालांकि, गंतव्य पर सुरक्षित सामग्री पहुंचाना ट्रांसपोर्टर का कार्य है, अन्यथा किसी भी दुर्घटना के लिए ट्रांसपोर्टर को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। लेकिन, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर के लिए ट्रांसपोर्टर और गंतव्य स्थान प्रतिनिधि के बीच की कड़ी है और ट्रांसपोर्टर को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि कंसाइनमेंट सौंपने की प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे बढ़े। सुचारू कंसाइनमेंट सौंपने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर, ट्रांसपोर्टर को निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश देता है:

- सुरक्षा द्वार पर दस्तावेज सत्यापन
- पार्किंग यार्ड/डॉक में वाहन की सही जगह पर प्लेसमेंट
- केवल ट्रांसपोर्टर के सामने, गंतव्य स्थान प्रतिनिधि द्वारा कंटेनर सील खोलना
- ट्रांसपोर्टर को यह सुनिश्चित करना है कि सभी सामग्री, उसके सामने उतारी गई है और पीओडी (PoD) जारी किया गया है

नीचे के अनुभागों में, हम ऊपर बताई गई प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बात करेंगे:

सुरक्षा द्वार पर दस्तावेज सत्यापन:

एकबार परिवहन गंतव्य तक पहुंच जाता है तो उन्हें कंसाइनमेंट के बारे में सुरक्षा को सूचित करना चाहिए और इच्छित रसीद पते वाले अपने संबंधित दस्तावेजों को सत्यापित करने के लिए कहना चाहिए। एक बार, सुरक्षा पुष्टि पता और उसके अधिकार, सुरक्षा से इनबाउंड सुरक्षा रजिस्टर में वाहन विवरण दर्ज करने के लिए कहें। सुरक्षा जांच के बाद और इनबाउंड सुरक्षा रजिस्टर में विवरण दर्ज होने के बाद, ट्रांसपोर्टर को गंतव्य स्थान पर आपके आगमन के बारे में सूचित करें और फिर ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर वाहन की नियुक्ति के लिए गंतव्य स्थान प्रतिनिधि के साथ समन्वय करेगा।

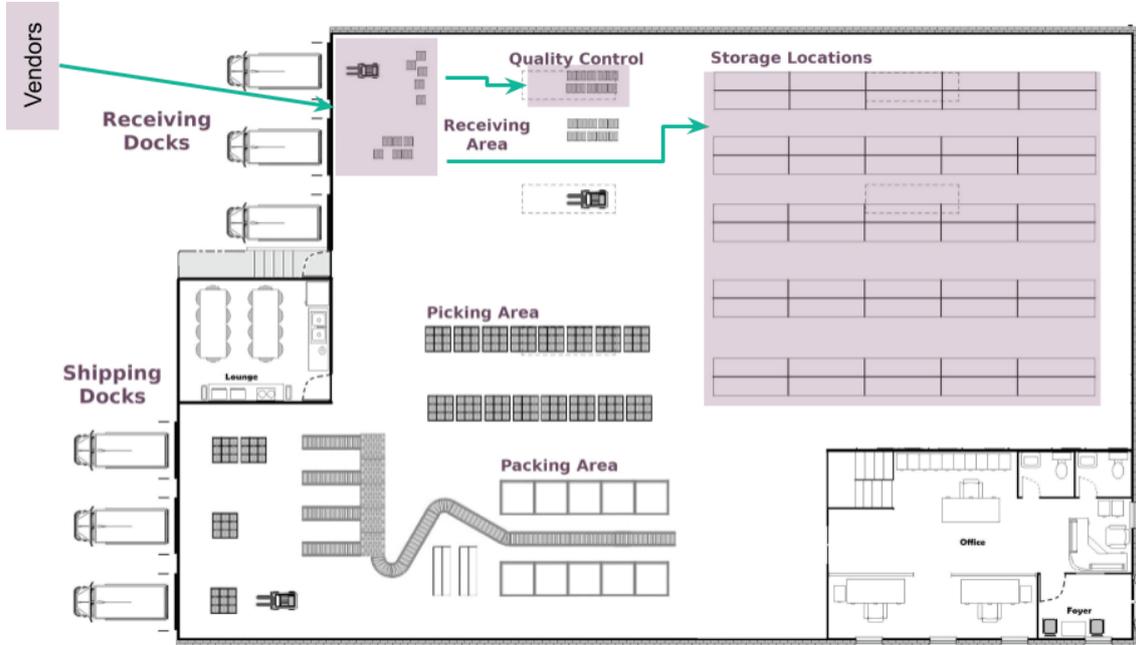
- ट्रांसपोर्ट टीम आईडी (ID) प्रूफ
- कंसाइनमेंट इनवॉइस/एसटीएन (STN)/आईआरएन (IRN) जिसमें इच्छित गंतव्य स्थान का पता हो
- कंसाइनमेंट/गंतव्य स्थान से संबंधित कोई अन्य दस्तावेज



चित्र 4.1.1: सत्यापन के लिए सुरक्षा द्वार पर ट्रांसपोर्टर द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज

पार्किंग यार्ड/डॉक में वाहन की सही जगह पर प्लेसमेंट:

एक बार सुरक्षा गेट पर सत्यापन के बाद, वाहन की प्लेसमेंट की पुष्टि हो जाने के बाद, ट्रांसपोर्टर को वाहन को निर्दिष्ट जगह/स्थान पर ही रखना चाहिए। वाहन को सही जगह पर रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समय पर डॉक करने के लिए वाहन लगाने और अंततः अन्य वाहनों की प्रभावी आवाजाही/अवरुद्धन करने के साथ-साथ माल को उतारने में भूमिका निभाएगा।



चित्र 4.1.2: वाहन प्लेसमेंट स्थान के लिए एक योजनाबद्ध प्रतिनिधित्व।

केवल ट्रांसपोर्टर के सामने, गंतव्य स्थान प्रतिनिधि द्वारा कंटेनर सील खोलना:

गंतव्य स्थान प्रतिनिधि को कंसाईनमेंट सौंपने की प्रक्रिया में यह बहुत महत्वपूर्ण कदम है। यह एकमात्र कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि ट्रांसपोर्टर उद्गम स्थान से प्राप्त सभी सामानों की डिलीवरी कर रहा है और माल की चोरी और विनिमय नहीं है।



चित्र 4.1.3: पारगमन में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के कंटेनर सील

ट्रांसपोर्टर को यह सुनिश्चित करना है कि सभी सामग्री, उसके सामने उतारी गई है और पीओडी (PoD) जारी किया गया है।

गंतव्य स्थान प्रतिनिधि को कंसाईनमेंट सौंपने का अंतिम चरण, उनसे पीओडी (PoD) प्राप्त करना है, जिसमें कंसाईनमेंट के बारे में सभी जानकारी जैसे एसकेयू (SKU) की संख्या और प्राप्त उनकी संबंधित मात्रा शामिल है। सामग्री सौंपने के संबंध में यह एकमात्र कानूनी दस्तावेज है और भविष्य के संदर्भ के लिए इसका उपयोग किया जाएगा। इसलिए, ट्रांसपोर्टर को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्होंने पीओडी (PoD) पर उल्लिखित सभी विवरणों को पढ़ और सत्यापित कर लिया है। पीओडी (PoD) की एक प्रति ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को रिकॉर्ड रखने और शिपमेंट को क्लोज करने के उद्देश्य के लिए भेजी जानी चाहिए।

Sr. No.	Material Code	Material Description	DCM	SEN Code	Rate	Qty	Total
5	14733	PP 600X400 80mm Height increaser	EA	19231090	320	100.000	44800.00
6	14585	PP HC 14402 1X10 YRA	EA	19231090	35	210.000	7350.00
7	13910	PP HC 2x2 AirBag YRA	EA	19231090	110	202.000	28220.00
8	13909	PP HC 2x2 AirBag YSD	EA	19231090	110	160.000	17700.00
Grand Total							788064.00

Declaration: I hereby certify that the goods mentioned in this bill are not for sale and will be used for the purpose mentioned on file.
 Shipment : 630903627
 Transport Company: APL Logistics India Pvt. Ltd.
 Driver Name :
 Vehicle Number :
 L.R. No :
 Reference # : 3003524636
 On Behalf of CHEP Manufacturing Equipment Pvt. Ltd.
 Authorized Signatory

चित्र 4.1.4: नमूना पीओडी (PoD)

यूनिट 4.2: दोषपूर्ण माल की रिपोर्टिंग

यूनिट के उद्देश्य



इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. विभिन्न प्रकार के दोषपूर्ण माल समझाना
2. जो आवश्यक है, ऐसी आवश्यक उपचारात्मक कार्रवाई समझाना

4.2.1 दोषपूर्ण कंसाईनमेंट

एक बार जब माल गंतव्य स्थान पर पहुंचा दिया जाता है, तो ट्रांसपोर्टर को पीओडी (PoD) प्राप्त होता है, जो एसकेयू (SKU) और उनकी मात्रा के बारे में बताता है, लेकिन इसमें माल की गुणवत्ता के बारे में कोई मुद्दा नहीं होता है। गुणवत्ता जांच के दौरान, माल की वास्तविक गुणवत्ता का परीक्षण और रिपोर्ट किया जाता है और यदि कोई/कुछ सामान गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करते हैं, तो वे “नुकसान माल (डैमेज गुड्स)” के अंतर्गत आते हैं। इसलिए, यहां हम निम्नलिखित व्यापक श्रेणियों में दोषपूर्ण कंसाईनमेंट को वर्गीकृत कर सकते हैं:

- क्षतिग्रस्त माल की कंसाईनमेंट
- संबंधित एसकेयू(SKU) के लिए अतिरिक्त माल की कंसाईनमेंट
- संबंधित एसकेयू(SKU) के लिए लघु माल (शॉर्ट गुड्स) की कंसाईनमेंट
- गलत कंसाईनमेंट

बेहतर समझ के लिए, उपरोक्त श्रेणियों का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है ताकि यह उपचारात्मक कार्यों में मदद कर सके:

- क्षतिग्रस्त माल की कंसाईनमेंट
 - इस श्रेणी में उत्पाद, बॉक्स के अंदर क्षतिग्रस्त हो जाता है और आगे बिक्री योग्य या प्रयोग योग्य नहीं होता है। इस तरह के उत्पादों को विस्तृत जांच के लिए प्रति समझौते पर वापस भेज दिया जाता है और फिर मरम्मत योग्य, नवीनीकरण और स्क्रेप श्रेणी में अलग किया जाता है और तदनुसार संसाधित किया जाता है।
 - इस तरह की घटनाओं के लिए विस्तृत आरसीए (मूल कारण विश्लेषण) की आवश्यकता होती है, यदि क्षति मूल स्थान की गलती, ट्रांसपोर्टर की गलती या गंतव्य स्थान की गलती के कारण होती है। एक बार आरसीए (RCA) हो जाने के बाद और संबंधित हितधारकों के बीच पारस्परिक रूप से निष्कर्ष निकाले जाने के बाद, संबंधित प्राधिकरण समझौते के अनुसार डेबिट के लिए आगे बढ़ेगा।
- संबंधित एसकेयू(SKU) के लिए अतिरिक्त माल की कंसाईनमेंट
 - हालांकि उद्गम वेयरहाउस में हमेशा चेक प्वाइंट होते हैं कि कौन सा माल भेजा जा रहा है। लेकिन, कभी-कभी मानवीय/तकनीकी त्रुटि के कारण अपेक्षा से अधिक माल भेज दिया जाता है। इसलिए, इसकी सूचना दी जानी चाहिए और स्टॉक को चालान के साथ समायोजित किया जाना चाहिए।
- संबंधित एसकेयू(SKU) के लिए लघु माल (शॉर्ट गुड्स) की कंसाईनमेंट
 - हालांकि उद्गम वेयरहाउस में हमेशा चेक प्वाइंट होते हैं कि कौन सा माल भेजा जा रहा है। लेकिन, कभी-कभी मानवीय/तकनीकी त्रुटि के कारण अपेक्षा से कम माल भेजा जाता है। इसलिए, इसकी सूचना दी जानी चाहिए और स्टॉक को चालान के साथ समायोजित किया जाना चाहिए।
- गलत कंसाईनमेंट
 - हालांकि उद्गम वेयरहाउस में हमेशा चेक प्वाइंट होते हैं कि कौन सा माल भेजा जा रहा है। लेकिन, कभी-कभी मानवीय/तकनीकी त्रुटि के कारण कंसाईनमेंट भेज दी जाती है। इसलिए, इसकी सूचना दी जानी चाहिए और स्टॉक को चालान के साथ समायोजित किया जाना चाहिए।

4.2.2 कंसाइनमेंट की रिपोर्टिंग

पिछले अध्याय तक, हमने वाहन नियोजन, वाहन शेड्यूलिंग, वाहन प्लेसमेंट, कंसाइनमेंट लोडिंग और पारगमन में ट्रैकिंग और कंसाइनमेंट हैंडओवर के बारे में चर्चा की। अब, अगले चरण में वेयरहाउस, ट्रांसपोर्टर और गंतव्य स्थान प्रतिनिधि सहित सभी हितधारकों को कंसाइनमेंट की रिपोर्टिंग शामिल है। कंसाइनमेंट की रिपोर्टिंग दो प्रकार की हो सकती है:

- सही ढंग से वितरित कंसाइनमेंट की रिपोर्टिंग
- दोषपूर्ण माल की रिपोर्टिंग एक कंसाइनमेंट के लिए क्या दोष हो सकते हैं, उन्हें अध्याय 4.2.1 में समझाया गया है। आइए हम नीचे के खंड में कंसाइनमेंट रिपोर्टिंग और इसकी आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा करते हैं।

सही ढंग से वितरित कंसाइनमेंट की रिपोर्टिंग:

जैसा कि हम पिछले अध्याय में पहले ही चर्चा कर चुके हैं, सभी प्रकार की सुपुर्दगी का पालन पीओडी (PoD) द्वारा किया जाना चाहिए क्योंकि यह केवल कानूनी दस्तावेज है जिसे बाद के चरण में संदर्भित किया जाएगा।

माल की सही सुपुर्दगी के मामले में, कोई अतिरिक्त रिपोर्ट प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है और ट्रांसपोर्टर द्वारा शिपमेंट को क्लोज कर दिया जाएगा।

दोषपूर्ण कंसाइनमेंट की रिपोर्टिंग:

अध्याय 4.2.1 में, हमने संभावित प्रकार के दोषपूर्ण माल के बारे में चर्चा की है और प्रत्येक प्रकार की दोषपूर्ण कंसाइनमेंट को आपूर्तिकर्ता, ट्रांसपोर्टर और परेषिती (कंसाइनी) के पारस्परिक हित में अलग-अलग उपायों की आवश्यकता है।

इस अनुभाग में, हम दोषपूर्ण कंसाइनमेंट की रिपोर्टिंग और उपचारात्मक कार्रवाइयों के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

क्षतिग्रस्त माल की कंसाइनमेंट:

क्षतिग्रस्त माल की कंसाइनमेंट सबसे विवादास्पद दोषपूर्ण कंसाइनमेंट प्रकार है। इसमें सभी तीन हितधारक शामिल हैं, अर्थात् शिपर, ट्रांसपोर्टर और परेषिती (कंसाइनी)। माल की उतराई के दौरान मालवाहक क्षतिग्रस्त माल की तस्वीरों की व्यवस्था करता है और ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर के साथ साझा करता है, यदि ऐसा नहीं है तो यह दावा किया जा सकता है कि नुकसान, परेषिती (कंसाइनी) के स्थान पर हुआ था।

इसलिए, यदि परेषिती उतरते समय माल की तस्वीरों की व्यवस्था करता है, तो ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर शिपर के स्थान पर जांच करता है और छान बोन करता/करती है कि क्या नुकसान शिपर के स्थान पर गलत तरीके से हैंडलिंग के कारण हुआ है। इस मामले में क्षति माल को शिपर को वापस भेज दिया जाता है और शिपर, परेषिती (कंसाइनी) को क्रेडिट नोट जारी करता है।

यदि, उपरोक्त दोनों मामले वैध नहीं हैं, तो यह माना जाएगा कि माल पारगमन में क्षतिग्रस्त हो गया है और ट्रांसपोर्टर को एक डेबिट नोट जारी किया गया है।

संबंधित एसकेयू(SKU) के लिए अतिरिक्त माल की कंसाइनमेंट

इस प्रकार की दोषपूर्ण कंसाइनमेंट में, परेषिती, पीओडी (PoD) पर अधिक मात्रा अंकित करता है और सत्यापन और आगे की कार्रवाई के लिए ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को एक अलग रिपोर्ट भेजता है। एक बार ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को अतिरिक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर, वह शिपर/वेयरहाउस के साथ विवरण सत्यापित करता है और संबंधित टीम से स्टॉक समायोजन के लिए कहता है और अतिरिक्त माल के लिए अतिरिक्त चालान तैयार करता है।

Challan # Sales Order # Delivery # 21620529T

Sr. No.	Material Code	Material Description	DDM	MSN Code	Rate	Qty	Total
5	18733	FP 600X400 80mm Height increaser	EA	19231090	720	190.000	14800.00
6	18085	FR MC 14402 1X10 YHA	EA	39231090	35	210.000	7350.00
7	13910	VF_HC 2x2 AirBag YRA	EA	39231090	110	262.000	28820.00
8	13909	VF_HC 2x2 AirBag YSD	EA	39231090	110	160.000	17700.00
Grand Total							788064.00

M/s Chep India Private Limited
 I hereby certify that the goods mentioned in this Challan are NOT FOR SALE and will not be used for any other purpose than the Transit.
 Right to use goods: Consent on file
 Shipment : 630903627
 Transport Company: APL Logistics India Pvt. Ltd.
 Driver Name :
 Vehicle Number :
 On Behalf of CHEP Manufacturing Equipment Pvt. Ltd.
 L.R.No :
 Reference # : 3003524638
 Authorised Signatory

चित्र 4.2.1: अतिरिक्त माल के साथ कंसाइनमेंट के लिए नमूना पीओडी (PoD)

संबंधित एसकेयू(SKU) के लिए लघु माल (शॉर्ट गुड्स) की कंसाइनमेंट

इस प्रकार की दोषपूर्ण कंसाइनमेंट में, परेषिती, पीओडी (PoD) पर कम मात्रा पर निशान लगाता है और सत्यापन और आगे की कार्रवाई के लिए ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को एक अलग रिपोर्ट भेजता/भेजती है। एक बार ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को कमी रिपोर्ट (शॉर्टेज रिपोर्ट) प्राप्त हो जाने पर, वह शिपर/वेयरहाउस के साथ विवरण की पुष्टि करता/करती है और संबंधित टीम से स्टॉक समायोजन और छोटे माल के लिए क्रेडिट नोट के लिए कहता/कहती है।

Challan # Sales Order # Delivery # 21620529T

Sr. No.	Material Code	Material Description	DDM	MSN Code	Rate	Qty	Total
5	18733	FP 600X400 80mm Height increaser	EA	19231090	720	190.000	14800.00
6	18085	FR MC 14402 1X10 YHA	EA	39231090	35	210.000	7350.00
7	13910	VF_HC 2x2 AirBag YRA	EA	39231090	110	262.000	28820.00
8	13909	VF_HC 2x2 AirBag YSD	EA	39231090	110	160.000	17700.00
Grand Total							788064.00

M/s Chep India Private Limited
 I hereby certify that the goods mentioned in this Challan are NOT FOR SALE and will not be used for any other purpose than the Transit.
 Right to use goods: Consent on file
 Shipment : 630903627
 Transport Company: APL Logistics India Pvt. Ltd.
 Driver Name :
 Vehicle Number :
 On Behalf of CHEP Manufacturing Equipment Pvt. Ltd.
 L.R.No :
 Reference # : 3003524638
 Authorised Signatory

चित्र 4.2.2: लघु माल (शॉर्ट गुड्स) की कंसाइनमेंट के लिए नमूना पीओडी (PoD)

गलत कंसाइनमेंट

शिपर द्वारा गलत शिपमेंट प्रेषण (डिस्पैच) बहुत दुर्लभ है और कंसाइनी के अंत में माल उतारने के समय, परेषिती (कंसाइनी), कंसाइनमेंट को अस्वीकार कर सकता है यदि कंसाइनमेंट का माल परेषिती (कंसाइनी) के लिए किसी काम का नहीं है। अन्यथा वह ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर द्वारा मध्यस्थता वाले शिपर के साथ आपसी सहमति से कंसाइनमेंट स्वीकार कर सकता है। इस मामले में, परेषिती (कंसाइनी), पीओडी (PoD) के बजाय ट्रांसपोर्टर को एक अलग रिसीविंग नोट जारी करता है। और नए माल को मूल आदेश पर परेषिती (कंसाइनी) को भेज दिया जाता है और गलत शिपमेंट के लिए अलग चालान तैयार किया जाता है।

यूनिट 4.3: एस्केलेशन मैट्रिक्स

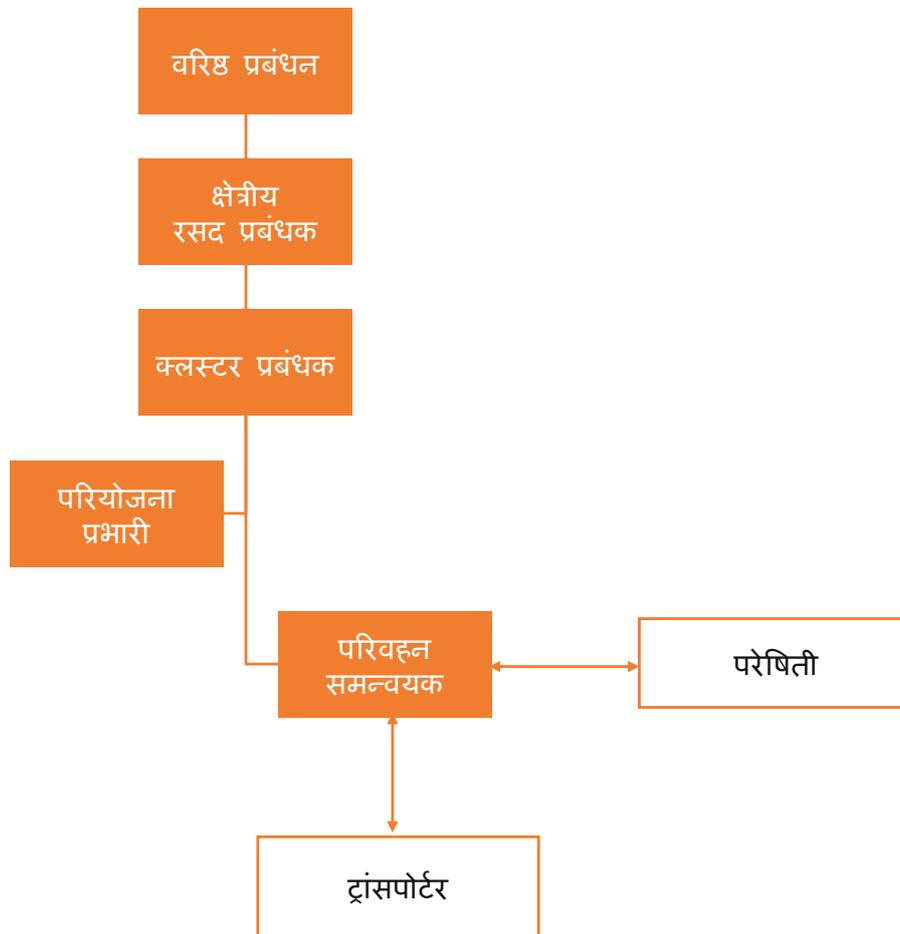
यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. विभिन्न प्रकार के दोषपूर्ण माल समझाना
2. जो आवश्यक है, ऐसी आवश्यक उपचारात्मक कार्रवाई समझाना

4.3.1 एस्केलेशन मैट्रिक्स

उपर्युक्त मानदंडों के अनुसार किसी भी कंसाइनमेंट की सूचना संबंधित ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर और परियोजना प्रभारी को दी जानी चाहिए। और, घटना के खिलाफ असंतोषजनक कार्रवाई के मामले में, निम्नलिखित एस्केलेशन मैट्रिक्स का पालन किया जाना चाहिए।



चित्र 4.3.1: एस्केलेशन मैट्रिक्स

सलाह

पीओडी (PoD), कंसाइनमेंट वितरण को क्लोज करने और भविष्य में किसी भी घटना को हल करने के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसलिए, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को पीओडी (PoD) को सत्यापित करने में हमेशा बहुत सावधान रहना चाहिए और इन दस्तावेजों को बहुत सुरक्षित तरीके से रखना चाहिए।

सारांश

कंसाइनमेंट डिलीवरी और रिपोर्टिंग 3-तरफा संचार प्रक्रिया है जिसमें शिपर, ट्रांसपोर्टर और परेषिती (कंसाइनी) शामिल हैं। पीओडी (PoD), माल प्राप्ति के प्रमाण के रूप में परेषिती (कंसाइनी)द्वारा जारी किया जाता है और भविष्य के संदर्भ के लिए रिकॉर्ड के रूप में शिपर और ट्रांसपोर्टर द्वारा रिकॉर्ड के रूप में रखा जाता है। सभी 3 हितधारकों के बीच दोषपूर्ण कंसाइनमेंट पर चर्चा की जाती है और व्यापार में पारस्परिक लाभ के लिए प्रति समझौते के अनुसार घटनाओं का समाधान किया जाता है।

अभ्यास

1. कंसाइनमेंट सौंपने की गतिविधियों की सूची बनाएं।
2. परेषिती (कंसाइनी) सुरक्षा जांच में, ट्रांसपोर्टर को सुरक्षा के लिए कौन से दस्तावेज प्रस्तुत करने चाहिए?
3. वाहन की सील, _____ के सामने खोली जानी चाहिए।
4. विभिन्न प्रकार के दोषपूर्ण कंसाइनमेंट की सूची बनाइए।
5. किस प्रकार की दोषपूर्ण कंसाइनमेंट का समाधान सबसे कठिन है।
6. किस प्रकार की दोषपूर्ण कंसाइनमेंट के लिए, शिपर, परेषिती (कंसाइनी) को क्रेडिट नोट जारी करता है?



Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत



सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP



N · S · D · C
National
Skill Development
Corporation

Transforming the skill landscape



5. शिफ्ट हैंडओवर प्लानिंग

यूनिट 5.1 - प्रेषण (डिस्पैच) से पहले का लॉग

यूनिट 5.2 - प्रेषण (डिस्पैच) के बाद का लॉग

यूनिट 5.3 - विशेष लॉग



LSC/N1113

मुख्य सीख



इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. कार्य-प्रगति/पूर्ण लॉग बनाए रखना
2. जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ऐसे गतिविधि लॉग की सूची बनाना
3. कार्य पूर्ण किया गया बनाम कार्य प्रगति पर है लॉग की संक्षिप्त जानकारी देना

यूनिट 5.1: प्रेषण (डिस्पैच) से पहले का लॉग

यूनिट के उद्देश्य



इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. प्रेषण (डिस्पैच) से पहले की गतिविधियों के लिए कार्य प्रगति पर है/कार्य पूरा हुआ है लॉग बनाए रखना प्रेषण
2. (डिस्पैच) से पहले की गतिविधियों के लिए कार्य पूरा हुआ है बनाम कार्य-प्रगति लॉग की संक्षिप्त जानकारी देना

5.1.1 प्रेषण (डिस्पैच) से पूर्व का लॉग

यूनिट 1 में, हमने आपूर्ति श्रृंखला के अवलोकन के बारे में चर्चा की। यूनिट 2 से 4 तक, हमने, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को जिनकी आवश्यकता है, ऐसी विभिन्न गतिविधियां और काम करने की प्रक्रिया और उन प्रक्रिया के सार की चर्चा की।

इस अध्याय में, हम किसी ऐसे व्यक्ति के लिए आसान संदर्भ के लिए कार्य लॉग बनाने के बारे में चर्चा करेंगे, जिसे इसे एक्सेस करने की आवश्यकता है।

ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को एक लॉगबुक बनाना चाहिए, जिसमें उसे सभी चर्चाओं/समन्वय के लिए टाइमस्टैम्प और टिप्पणियां को चिह्नित करना चाहिए। आसान संदर्भ के लिए नीचे एक नमूना लॉगबुक है।

क्र. सं.	शिपमेंट #	गंतव्य स्थान	वाहन का प्रकार	वाहन का आकार	बुकिंग का समय	वाहन प्लेसमेंट का समय	वाहन प्रेषण (डिस्पैच) का समय	टिप्पणियां
1	डेमो_01	XYZ	ओपन बॉडी	32'	2022/08/19 10:35 पूर्वाह्न	2022/08/19 01:20 अपराह्न	2022/08/19 01:20 अपराह्न	2022/08/19 11:50 पूर्वाह्न वाहन, ट्रांसपोर्टर पार्किंग यार्ड से निकल गया है

तालिका 5.1.1: प्रेषण पूर्व लॉग

उपरोक्त सचित्र सूची में, हम स्पष्ट रूप से, टाइम-स्टैम्प और अंतिम अनुगमित (फॉलोड अप) स्थिति वाली ऐसी सभी घटनाएं देख सकते हैं, जो हमें आगे की स्थिति अपडेट और शिफ्ट के अंत में आसान हैंडओवर के लिए मदद करेंगी।

यूनिट 5.2: प्रेषण (डिस्पैच) के बाद का लॉग

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. प्रेषण (डिस्पैच) के बाद की गतिविधियों के लिए कार्य प्रगति पर है/कार्य पूरा हुआ है बनाए रखना
2. प्रेषण (डिस्पैच) के बाद की गतिविधियों के लिए कार्य पूर्ण किया गया बनाम कार्य प्रगति पर है लॉग की संक्षिप्त जानकारी देना

5.2.1 प्रेषण (डिस्पैच) के बाद का लॉग

प्रेषण (डिस्पैच) के बाद का लॉग, डिस्पैच के पहले के लॉग का विस्तारित रूप है, जिसका मूल रूप से कंसाइनमेंट के स्थान पर कंसाइनमेंट डिलीवरी की स्थिति के साथ-साथ कंसाइनमेंट के पारगमन में माइलस्टोन को ट्रैक करने में उपयोग किया जाता है। आसान संदर्भ के लिए नीचे एक नमूना लॉगबुक है:

क्र. सं.	शिपमेंट #	वाहन प्रेषण (डिस्पैच) का समय	माइलस्टोन 1	माइलस्टोन 2	माइलस्टोन n	परेषिती (कसाईनी) सुरक्षा द्वार पर वाहन रिपोर्टिंग समय	कंसाइनमेंट सौंपने के बाद वाहन रिलीज समय	पीओडी (चवक्) की प्रति के साथ पीओडी (चवक्) की स्थिति	टिप्पणियां
1	डेमो_01	2022/08/19 4:10 अपराह्न	वाहन को समय पर रवाना किया गया। अगला अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलो-अप), सुबह 10:00 पर सेट है, एक बार जब कोई प्रवेश नहीं होता है और वाहन राजमार्ग को छूता है।

तालिका 5.2.1: प्रेषण के बाद लॉग

उपरोक्त सचित्र सूची में, हम स्पष्ट रूप से, टाइम-स्टैम्प और अंतिम अनुगमित (फॉलोड अप) स्थिति वाली ऐसी सभी घटनाएं देख सकते हैं, जो हमें आगे की स्थिति अपडेट और शिफ्ट के अंत में आसान हैंडओवर के लिए मदद करेंगी।

यूनिट 5.3: विशेष लॉग

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. उन कार्यों/शिपमेंट्स की पहचान करना जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है
2. विशिष्ट आवश्यकता के साथ, विशेष लॉग का दस्तावेजीकरण और संक्षिप्त जानकारी

5.3.1 विशेष लॉग

सामान्य तौर पर, किसी भी गतिविधि के लिए प्रक्रिया को हमेशा परिभाषित किया जाता है और सुचारू और निर्बाध संचालन के लिए कार्यों का क्रम किया जाता है। लेकिन, वास्तविक समय में व्यवसायों में तात्कालिकता और अन्य व्यावसायिक और वित्तीय मापदंडों के आधार पर कई अपवाद होते हैं। इसलिए, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को, शिपमेंट के संबंध में सभी अपवाद और किसी भी उल्लंघन के साथ मालवाहक स्थान आसान संदर्भ और समय पर कार्रवाई के लिए सूचीबद्ध हैं, इन्हें सुनिश्चित करना चाहिए।

ऐसे कुछ अपवादों का उल्लेख नीचे किया गया है, कई और भी हो सकते हैं:

- दो अलग-अलग शिपमेंट को समेकित (कंसोलिडेट) करने की आवश्यकता है।
- शिपमेंट की कंसाईनमेंट को होल्ड करने की आवश्यकता है।
- शिपमेंट की एक कंसाईनमेंट को अन्य स्थान पर फिर से रूट करने की आवश्यकता है।
- सुनिश्चित करना चाहिए एक कंसाईनमेंट को विशेष हैंडलिंग देखभाल की आवश्यकता होती है।

उपरोक्त सचित्र सूची में हम किसी भी अनुरोध, जो असामान्य है और मानक संचालन प्रक्रिया से विचलित है, उसका उल्लेख विशेष लॉग में किया जाना चाहिए ताकि संबंधित के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के लिए यह हमेशा उपलब्ध हो।

सलाह

लॉगबुक का नियमित रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए, अगर हम लॉगबुक में प्रविष्टियों में देरी करते हैं, तो यह ढेर और कभी न खत्म होने वाला कार्य शुरू कर देता है। इसलिए, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को इस कार्य को ईमानदारी से करना चाहिए और एक साफ-सुथरी लॉगबुक होनी चाहिए, जो हर संबंधित दर्शकों के लिए पढ़ने और समझने में आसान हो।

सारांश

हमेशा, सभी कार्य पूर्ण किया गया बनाम कार्य प्रगति पर है गतिविधि लॉग का उल्लेख लॉगबुक में किया जाना चाहिए। कार्यों की पूर्णता, पूर्ण और लंबित कार्यों की स्थिति पर एक नजर रखने के लिए लॉगबुक आसान संदर्भ है। यह शिफ्ट के अंत में हैंडओवर मीटिंग में हैंडओवर टूल के रूप में भी काम करता है।

अभ्यास

1. लॉगबुक में कौन सी जानकारी लॉग है, यह लॉग बुक क्यों आवश्यक है?
2. विशेष लॉग क्या है और हम इसे कैसे पहचान सकते हैं?





6. स्वास्थ्य और सुरक्षा का अनुपालन

यूनिट 6.1 - कार्यस्थल पर सुरक्षा लागू करना

यूनिट 6.2 - खतरनाक और जोखीमवाले सामान को संभालना

यूनिट 6.3 - 5एस (5S) की संकल्पना

यूनिट 6.4 - सुरक्षा, दुर्घटनाओं और आपातकालीन स्थितियों के उल्लंघन का प्रबंधन



मुख्य सीख

इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. कार्यस्थल में पालन की जाने वाली स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुरक्षा प्रक्रियाओं का विस्तार से वर्णन करना
2. 5एस (50) की संकल्पना पर विस्तार से जानकारी देना
3. असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों की पहचान कैसे करें यह समझाना
4. विचलन/उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए एस्केलेशन मैट्रिक्स समझाना

यूनिट 6.1: कार्यस्थल पर सुरक्षा लागू करना

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. सुरक्षा की महत्ता समझाना
2. विभिन्न भंडारण गतिविधियों के दौरान विभिन्न सुरक्षा सावधानियों का वर्णन करना
3. टीम को प्रशिक्षण का महत्व बताना

6.1.1 सुरक्षा और इसकी निर्णायकता

“वेयरहाउस के अंदर रखे उपस्थित लोगों और सामानों की सुरक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है”।

वेयरहाउस में काम करने से कई स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम पैदा होते हैं। यदि हम उन्हें नियंत्रित नहीं करते हैं, तो इससे दुर्घटनाएं हो सकती हैं, लोगों को चोट लग सकती है, बीमारी हो सकती है। उच्च कर्मचारी टर्नओवर ने काम के घंटे खो दिए और सबसे बुरी तरह से घातक भी। पैसे बचाने, कोनों में कटौती, कमी या ध्यान या अपर्याप्त समय बचाने के लिए सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं की अक्सर अवहेलना की जाती है। अच्छी तरह से कार्यान्वित सुरक्षा प्रक्रियाओं से चोट का न्यूनतम जोखिम, कम व्यवधान, कम अनुपस्थिति, उच्च कर्मचारी संतुष्टि और अंत में बेहतर उत्पादकता होती है।

जैसा कि पहले के अध्यायों में चर्चा की गई है, कंपनियां अपने तैयार माल की सूची को वेयरहाउस में संग्रहीत करती हैं, वे कच्चे माल को विनिर्माण पक्ष में संग्रहीत करती हैं। वेयरहाउस में संग्रहीत उत्पादों की प्रकृति, लोगों को किसी भी दुर्घटना की चोटों से बचाने के लिए अपनाए जाने वाले नियमों और प्रथाओं को निर्धारित करती है।

एक कॉर्पोरेट के रूप में, कंपनियां भी आधिकारिक तौर पर सुरक्षा प्रक्रियाओं को लागू करने और बनाए रखने के लिए बाध्य हैं। सुरक्षा प्रक्रियाओं को श्रमिकों को किसी भी खतरे से बचाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे सुरक्षित और आरामदायक वातावरण में काम करें। हालांकि, कंपनियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं को बनाए रखना चाहिए न कि केवल या कानूनी अनुपालन, अच्छी तरह से लागू सुरक्षा नियम कंपनी द्वारा अपने लोगों की भलाई के लिए चिंता का संकेत देते हैं।

एक वेयरहाउस में सुरक्षा नियम -

1. सुनिश्चित करें कि सुरक्षा उपकरण हर समय उपयोग किए जाते हैं।
2. किसी भी संभावित सुरक्षा खतरों को समाप्त करें।
3. स्पष्ट रूप से नामित खतरनाक क्षेत्रों को लेबल करें।
4. हमेशा सेफ लिफ्टिंग तकनीक का इस्तेमाल करें।
5. प्रशिक्षण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रदान करें।
6. वेयरहाउस में सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा दें।

6.1.2 वेयरहाउस में पालन की जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाएं

1. वाहन सुरक्षा

जब वेयरहाउस में फोर्कलिफ्ट और रीच ट्रक्स पहुंच जाते हैं, तो टक्कर या कुचलने के कारण चोट को रोकने के लिए यह आवश्यक है। देखा गया है कि ज्यादातर बार पलटने के दौरान दुर्घटनाएं होती हैं। फोर्कलिफ्ट्स का उपयोग करने के लिए कुछ सुरक्षा प्रक्रियाएं निम्नलिखित हैं:

फोर्कलिफ्ट सुरक्षा के लिए नियम

1. केवल प्रशिक्षित कर्मी ही वाहन चला सकते हैं
2. सुनिश्चित करें कि ऑपरेटर गति सीमा का पालन करें
3. कॉर्नरिंग या रिवर्स करते समय ड्राइवर की दृष्टि में सहायता के लिए दर्पण स्थापित करें
4. पैदल यात्री क्रॉसिंग को बाधाओं से दूर रखें
5. वाहनों पर नियमित निरीक्षण और रखरखाव कार्य का आयोजन
6. ड्राइवरों को दैनिक चेकलिस्ट प्रदान करें
7. ड्राइवर चेतावनी और सुरक्षा संकेत प्रदर्शित करें
8. वाहन को पलटने या क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए फर्श को सहारा दें



चित्र 6.1.1 फोर्कलिफ्ट सुरक्षा के नियम

2. फिसलना, लड़खड़ाना और गिर जाना

विभिन्न रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि दुनिया भर में काम से संबंधित चोटों का सबसे बड़ा कारण फिसलना और गिर जाना है।

फिसलना, लड़खड़ाना और गिर जाना इन्हें रोकने के लिए, कंपनी को चाहिए:

स्लिप्स, एंड फॉल्स

1. अच्छी हाउसकीपिंग। छलकावों को साफ करना, रास्तों से अवरोधों को हटाना आदि।
2. सुनिश्चित करें कि सफाई कर्मचारी उपयुक्त चेतावनी संकेत प्रदर्शित करते हैं
3. एंटी-स्लिप पेंट का इस्तेमाल करें
4. एंटी-स्लिप टेप और जूतों का प्रयोग करें
5. सुनिश्चित करें कि फर्श समतल हैं
6. कर्मचारियों को ऊंचाई सुरक्षा पर काम करने के लिए प्रशिक्षित करें



चित्र 6.1.2 फिसलना, लड़खड़ाना और गिर जाना

3. भारोत्तोलन (लिफ्टिंग)

भारोत्तोलन (लिफ्टिंग) मैनुअल रूप से और एमएचई (डब्ल्यू) का उपयोग करके किया जा सकता है। यदि ठीक से नहीं किया गया तो दोनों ही स्थितियां सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं।

भारोत्तोलन (लिफ्टिंग) में जोखिम को कम करने के लिए, कंपनी को चाहिए:

भारोत्तोलन (लिफ्टिंग)



1. सुनिश्चित करें कि ऑपरेटरों को उठाने वाले उपकरणों का अधिकतम सुरक्षित कार्य भार पता है।
2. ट्रेन स्टाफ मैनुअल हैंडलिंग सुरक्षा
3. यदि संभव हो तो मैनुअल हैंडलिंग की आवश्यकता से बचें
4. तनाव को कम करने के लिए उचित हैंडलिंग तकनीकों का उपयोग करने का प्रशिक्षण दें।
5. सुनिश्चित करें कि कर्मचारी चैन का ठीक से उपयोग और स्टोर करें

चित्र 6.1.3 भारोत्तोलन (लिफ्टिंग)

4. आग से सुरक्षा

आग सबसे बड़ा खतरा वेयरहाउसों का सामना करना पड़ता है। वेयरहाउस में रखी कीमती सामग्री के नुकसान के साथ-साथ आग लगने से वहां काम करने वाले लोगों को चोट पहुंच सकती है या उनकी मौत भी हो सकती है।

अग्नि से सुरक्षा बनाए रखने के लिए, कंपनी को चाहिए:

आग से सुरक्षा



1. तिमाही में कम से कम एक बार अग्नि अभ्यास करें।
2. साप्ताहिक अग्नि अलार्म का परीक्षण करें।
3. आग बुझाने और आपातकालीन योजना बनाएं
4. फायर वार्डन नामित करें
5. आग से बचने के मार्ग, निकास और संकेत अच्छी तरह से प्रकाशित होने चाहिए।
6. खतरनाक पदार्थों को अत्यधिक सावधानी से संभालें। सुनिश्चित करें कि आप जानते हैं कि वेयरहाउस में रसायनों को
7. सुरक्षित रूप से कैसे स्टोर किया जाए।

चित्र 6.1.4 अग्नि से सुरक्षा

5. चार्जिंग स्टेशन्स

वेयरहाउस सुविधाओं में चार्जिंग स्टेशनों का उपयोग फोर्कलिफ्ट्स, बीओपीटी (ठच्चज्) और अन्य बिजली उपकरणों को रिचार्ज करने के लिए किया जाता है। यदि उचित दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया जाता है, तो आग और विस्फोट हो सकते हैं।

चार्जिंग स्टेशन्स

1. चार्जिंग स्टेशन्स खुली लपटों से दूर होने चाहिए।
2. धूम्रपान प्रतिबंधित होना चाहिए।
3. हानिकारक गैसों को फैलाने के लिए पर्याप्त वेंटिलेशन सिस्टम स्थापित किया जाना चाहिए।
4. उचित पीपीई (चच्म) पहना जाना चाहिए।



चित्र 6.1.5 चार्जिंग स्टेशन

6. कन्वेयर्स

कन्वेयर उपकरण आमतौर पर वेयरहाउस सुविधाओं में परिसर के भीतर माल ले जाने के लिए उपयोग किया जाता है। हालांकि, कन्वेयर्स, उपकरण में फंसने और गिरने वाली वस्तुओं से चोट लगने सहित श्रमिकों के लिए गंभीर खतरे पैदा करते हैं। सुरक्षित रहने के लिए, यह महत्वपूर्ण है:

कन्वेयर्स



चित्र 6.1.6 कन्वेयर्स

1. कन्वेयर और कार्यकर्ता के बीच उचित सुरक्षा उपकरण सुनिश्चित करें।
2. आवधिक कन्वेयर रखरखाव और मरम्मत
3. सुनिश्चित करें कि बेल्टों की नियमित रूप से जांच और निरीक्षण किया जाता है।
4. पिंच पॉइंट्स पर पर्याप्त गार्ड लगाएं।
5. तालाबंदी विकल्पों का उपयोग करें ताकि कर्मचारी कन्वेयर संचालन को जल्दी से बंद कर सकें।

7. डॉक्स

वेयरहाउस में ट्रकों से सामग्री लोड और ऑफलोड करने के लिए डॉक का उपयोग किया जाता है। डॉक के साथ मौजूद खतरों में, डॉक से फोर्कलिफ्ट चलाना और उपकरण दुर्घटनाएं शामिल हैं जिनमें उत्पादों को अनुचित तरीके से रखा गया है, जो कर्मचारियों पड़ सकते हैं।

डॉक्स

1. डॉक के किनारों को स्पष्ट रूप से चिह्नित करें
2. सुनिश्चित करें कि डॉकिंग प्लेट उपकरण, इन्वेंट्री और कच्चे माल के भार भार का सुरक्षित रूप से समर्थन कर सकती हैं।
3. डॉक के किनारों से दूर रहें और डॉक के किनारे के पास फोर्कलिफ्ट का उल्टा उपयोग न करें।
4. कर्मचारी के लिए आंखों के स्तर पर चेतावनियां पोस्ट करें।
5. डॉक सीढ़ियाँ और सीढ़ियाँ मानकों को पूरा करना चाहिए।
6. कर्मचारियों को डॉक के बीच कूदने से रोकें।



चित्र 6.1.7 डॉक्स

उपरोक्त सावधानियों के अलावा, सुरक्षा में दो बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, पीपीई (PPE) का उपयोग और कर्मचारी प्रशिक्षण।

8. व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई - PPE)

कर्मचारियों को वेयरहाउस में काम करते समय हर समय पीपीई (PPE) पहनना जरूरी है। यदि पीपीई (PPE) नहीं पहना जाता है और कोई दुर्घटना होती है, तो इससे गंभीर चोट लग सकती है या मृत्यु भी हो सकती है।

हमने पिछले अनुभागों में पीपीई (PPE) को सिर, उंगलियों, पैरों, आंखों और शरीर के बाकी हिस्सों की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल किया है, यह देखा है।

डेटा फीड्स को किस प्रकार के पीपीई (PPE) पहनने की जरूरत है, यह निर्धारित करने के लिए वेयरहाउस में जोखिमों का आकलन करने की आवश्यकता है।

• कर्मचारियों को प्रशिक्षण

सुरक्षा के बारे में जागरूकता की भावना सुरक्षा कार्यान्वयन में सबसे महत्वपूर्ण कारक है। अधिकांश कंपनियां ऐसे औपचारिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाती हैं, जहां सुरक्षा संबंधी सभी उपाय समझाए जाते हैं और औपचारिक रूप से अभ्यास किया जाता है। सुरक्षा की संकल्पना को और सुदृढ़ करने के लिए नियमित पुनर्धर्या पाठ्यक्रम हैं।

- सुनिश्चित करें कि सभी कर्मचारी प्रशिक्षित हैं और सुरक्षा प्रक्रियाओं पर अद्यतन ज्ञान रखते हैं।
- कर्मचारी को उन परिणामों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए, जो असुरक्षित कार्य प्रथाओं का पालन करने से उत्पन्न होते हैं।
- सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन नहीं करने वाले किसी भी कर्मचारी को यदि आवश्यक हो तो सेवाओं को समाप्त करने सहित सख्ती से निपटा जाना चाहिए।
- सभी स्टाफ सदस्यों को अपने आस-पास क्या है, इसके बारे में लगातार जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और टकराव दुर्घटनाओं से बचने के लिए यह सुनिश्चित करने के लिए संवाद करना चाहिए कि वे कहां हैं।
- कंपनियां शून्य-दुर्घटनाओं और शून्य नियर-मिस के लिए प्रोत्साहन लागू कर सकती हैं।

6.1.3 कार्य क्षेत्र का निरीक्षण

एक वेयरहाउस एक सक्रिय स्थान है और इसकी तेज-तरार प्रकृति अक्सर चोटों की ओर ले जाती है। सुरक्षा प्रबंधन कार्यक्रम को हर समय कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

वेयरहाउस के कर्मियों द्वारा वेयरहाउस के सभी क्षेत्रों का लगातार निरीक्षण करना चाहिए, असुरक्षित परिचालन स्थितियों की पहचान करनी चाहिए और सुरक्षित संचालन के लिए उन्हें ठीक से ठीक करना चाहिए। औजारों और उपकरणों की नियमित रूप से जांच, सफाई और मरम्मत की जानी चाहिए और क्षतिग्रस्त या खराब हो चुके औजारों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

- संग्रहीत सामग्री द्वारा गलियारों, सीढ़ियों, निकास, अग्निशामक यंत्रों, आपातकालीन कुओं, आपातकालीन वर्षा या प्राथमिक चिकित्सा स्टेशनों को अवरुद्ध नहीं करना चाहिए। सभी भंडारण क्षेत्रों को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाना चाहिए।
- नियमित रूप से फायर होजेस और अग्निशामक यंत्रों की जांच करें। सभी बाधाओं को दूर करें और इन वस्तुओं को तत्काल उपलब्ध कराएं। केवल उपयुक्त अग्निशामक विधियों में प्रशिक्षित कर्मियों को ही इस उपकरण को संभालना चाहिए।
- सुनिश्चित करें कि अनुमोदित कंटेनरों का उपयोग निर्दिष्ट क्षेत्रों में ज्वलनशील, दहनशील, विषाक्त और अन्य खतरनाक सामग्रियों को संग्रहीत करने के लिए किया जाता है।
- सुनिश्चित करें कि कनेक्टर को पकड़कर और धीरे से खींचकर सभी पावर केबल काट दिए गए हैं। रस्सी को कभी न खींचें। यदि पावर कॉर्ड टूट गया है या केबल उजागर हो गए हैं, तो इसे सेवा से बाहर कर दें।
- वेयरहाउस में अत्यधिक ज्वलनशील रसायनों का भंडारण नहीं करना चाहिए। इसके लिए अलग जगह होनी चाहिए।
- अग्निशामक यंत्र अवरुद्ध या क्षतिग्रस्त नहीं हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए, प्रतिदिन गोदी क्षेत्र का निरीक्षण करें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे क्षतिग्रस्त नहीं हैं और सुरक्षित स्थिति में हैं, कन्वेयर बेल्ट की नियमित रूप से जांच करें।
- हर महीने स्प्रींकलर सिस्टम की जांच करें और फ्लो और अलार्म टेस्टिंग करें। दस्तावेज निरीक्षण।
- यदि भारी सामग्री को उठाने के लिए पुली या होइस्ट का उपयोग किया जाता है, तो चरखी और होइस्टिंग उत्थापन स्लिंग्स का निरीक्षण करें। सुनिश्चित करें कि हुक लैच और उपयुक्त पीपीई (PPE) उपलब्ध हैं।
- किसी भी क्षति के लिए साप्ताहिक आधार पर सभी सीढ़ियों का निरीक्षण करें। सभी प्रकार की सीढ़ियां, चाहे लकड़ी की, धातु की, या फाइबरग्लास की हो, उन्हें लंबे समय तक घिसाव के परिणामस्वरूप संभावित दोषों के लिए बार-बार जांचा जाना चाहिए और आवश्यक मरम्मत औरध्या प्रतिस्थापन किया जाना चाहिए।



Continuous Inspection



चित्र 6.1.1 कार्य क्षेत्र और उपकरण का निरीक्षण

सामान्य असुरक्षित कार्य वातावरण

- छलकने या गीले फर्श के कारण कर्मचारी का फिसलना या लड़खड़ाना।
- बिजली के खुले तार या होजेस
- ओवरटाइम काम करना, निर्धारित घंटों से अधिक काम करना भी थकान के कारण दुर्घटना का कारण बन सकता है।
- उचित वायु-संचालन (वेंटिलेशन) का अभाव।
- टूटी हुई खिड़कियां, क्षतिग्रस्त दरवाजे, दोषपूर्ण नलसाजी और टूटी हुई फर्श की सतहें, दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं और कार्य प्रथाओं को प्रभावित कर सकती हैं।
- वेयरहाउसिंग गतिविधियों को अंजाम देते समय कर्मचारियों द्वारा पीपीई (PPE) का उचित उपयोग नहीं करना। यह सुनिश्चित करना वेयरहाउस डेटा फीडर की जिम्मेदारी है कि सभी कर्मचारी सुरक्षित काम करने के लिए सभी आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई - PPE) का उपयोग कर रहे हैं।



चित्र 6.1.2 कार्य का असुरक्षित वातावरण

6.1.4 ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर एचएसएस (HSS) उपाय

भूमि परिवहन में सुरक्षा उपाय, वेयरहाउस डॉक पर वाहन के सही प्रकार/आकार के स्थान से शुरू होते हैं, इसके बाद सही लोडिंग पैटर्न और वाहनों में माल की लैशिंग और चोकिंग के साथ-साथ मार्गों की सही और प्रभावी योजना बनाई जाती है। इन मुद्दों को विस्तार से समझने के लिए, कृपया नीचे वर्णित अनुभाग का अनुसरण करें:

1. **वाहन का प्लेसमेंट:** एक बार लोड प्लानिंग हो जाने के बाद, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर, सही समय पर वाहनों के शेड्यूलिंग और प्लेसमेंट के लिए ट्रांसपोर्ट कंपनियों के साथ मिलकर काम करता/करती है। ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर हमेशा ट्रांसपोर्टर को वाहन के आकार और क्षमता (उदाहरण- 10 टन/32 फीट) के साथ-साथ वाहन के प्रकार (उदाहरण- ओपन बॉडी/क्लोज्ड बॉडी/ट्रेलर/फ्रीजर) के लिए परिवहन/वाहन की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से बताता/बताती है। वाहन, स्वयं माल और व्यक्ति की सुरक्षा और सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि सही क्षमता वाला वाहन, पारगमन में वाहन के टूटने को कम करता है और उचित आकार के साथ-साथ उचित आकार और चोकिंग सुनिश्चित करता है कि वाहन में सामान बरकरार है और यात्रा के दौरान कोई अवांछित बल नहीं लगाया जाता है, जबकि सही प्रकार वाहन यह सुनिश्चित करता है कि पारगमन के दौरान माल की स्थिति में कोई बदलाव न हो और कोई अवांछित रासायनिक प्रतिक्रिया न हो।
2. **लोडिंग का पैटर्न:** माल की सुरक्षा और अंततः कंसाईनमेंट की सुरक्षा (क्षतिग्रस्त माल के कारण माल की दुर्घटना हो सकती है) में लोडिंग पैटर्न महत्वपूर्ण है। इसलिए, हमेशा सुनिश्चित करें कि वाहन में सामान लोड करते समय लोडिंग/परिवहन निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाता है, जैसे स्टैकिंग मानदंडों का पालन करना, “धिस साईड अप” और ऐसे अन्य निर्देशों का पालन करना, “नॉन-मिक्सेबल गुड्स (प्रतिक्रियाशील सामग्री/सामान)” को एक साथ न रखें और अन्य दिए गए अन्य निर्देशों का पालन करना।

3. मार्ग की योजना: किसी भी शिपमेंट के लिए मार्ग की योजना बनाते समय, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को निम्नलिखित सुनिश्चित करना चाहिए:

- कंसाईनमेंट सुरक्षित है और किसी भी दुर्घटना के साथ समय पर गंतव्य पर पहुंचती है, इसे सुरक्षित करने के लिए, सुरक्षित और मानक सड़क नेटवर्क का पालन किया जाना चाहिए।
- कई टच प्वाँइंट्स से बचने के लिए, अंतिम पड़ाव सामग्री (लास्ट स्टॉप मरेरियल) को पहले लोड किया जाना चाहिए, जिससे माल की पैकेजिंग बरकरार है यह सुनिश्चित किया जा सकता है और नुकसान के जोखिम से बचा जा सकता है।
- प्रतिक्रियाशील वस्तुओं को एक साथ नहीं रखा जाना चाहिए: मार्ग की योजना बनाते समय और वाहन में सामान लोड करते समय, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रतिक्रियाशील माल को कंसाईनमेंट (विस्फोट के कारण माल को नुकसान हो सकता है) और सार्वजनिक सुरक्षा (दूषित माल गंभीर स्वास्थ्य का कारण बन सकता है) के हित में एक साथ नहीं रखा जाता है।

यूनिट 6.2: खतरनाक और जोखीमवाले सामान को संभालना

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. कुछ रसायनों को संभालने में मौजूद खतरों की चर्चा करना।
2. सुरक्षा डेटा शीट की संकल्पना समझाना।
3. खतरनाक रसायनों से निपटने में 'क्या करें और क्या न करें' का वर्णन करना।

6.2.1 खतरनाक सामान के लिए हैंडलिंग प्रक्रियाएं

खतरनाक और जोखीमवाले सामग्रियों को जब भी वेयरहाउस में रखा जाता है, तो उन्हें विशेष हैंडलिंग और ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इस तरह के प्रत्येक प्रकार के कार्गो के लिए एक विशिष्ट मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी - 'व्यू') निर्धारित की जाती है और इसका कड़ाई से पालन केवल कर्मचारियों और वेयरहाउस की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। जब खतरनाक सामान को वेयरहाउस में रखा जाता है, तो निम्नलिखित कुछ प्रमुख मुद्दे हैं जिनका ध्यान रखना चाहिए। सामग्री सुरक्षा डेटा शीट (एमएसडीएस - MSDS) और कंटेनर लेबल मूल्यांकन करने के लिए संदर्भ का आधार होंगे -

खतरनाक माल के रूप में मानी जाने वाली सभी वस्तुओं या पदार्थों को खतरनाक सामानों के परिवहन और भंडारण में उपयोग किए जाने वाले मानक नामों में से एक को पहचानना, वर्गीकृत और निर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

वेयरहाउस को उस सामग्री की पहचान करनी चाहिए जिसे एक साथ संग्रहीत नहीं किया जा सकता है और उनके लिए अलग निर्दिष्ट स्थान बनाना चाहिए।

खतरनाक सामग्री को आम तौर पर निम्नलिखित में से एक या अधिक वर्गीकरणों को सौंपा जाता है।

- ज्वलनशील तरल - कोई भी तरल जिसका फ्लैश प्वाइन्ट 100 डिग्री फारेनहाइट से कम हो।
- दहनशील तरल - 100 और 200 डिग्री फारेनहाइट के बीच फ्लैश प्वाइन्ट वाला कोई भी तरल और प्रज्वलन स्रोत के संपर्क में आने पर तरल प्रज्वलित करने के लिए पर्याप्त वाष्प पैदा करता है।
- ज्वलनशील ठोस - एक पदार्थ जो घर्षण, नमी के अवशोषण या स्वतःस्फूर्त रासायनिक परिवर्तनों के माध्यम से आग का कारण बन सकता है और जब प्रज्वलित होता है, तो यह इतनी तेजी से जलता है कि यह एक खतरा पैदा करता है।
- ऑक्सीडाइजर - एक पदार्थ जो कार्बनिक पदार्थों के दहन को प्रोत्साहित करने के लिए आसानी से ऑक्सीजन उत्पन्न करता है।
- संक्षारक (कोरोसिव) - एक तरल, जो 130 डिग्री फारेनहाइट के परीक्षण तापमान पर, 0.250 इंच से अधिक की दर से स्टील खूएसई (SAE)1020, को खराब करता है या जिसका पीएच (pH), 2 से कम या 12.5 से अधिक है।
- कार्बनिक पेरोक्साइड - रासायनिक बंधन युक्त एक कार्बनिक यौगिक, जिस में ऑक्सीजन, ऑक्सीजन से जुड़ा होता है।
- जहर - इतना जहरीला पदार्थ कि यह जीवन या स्वास्थ्य के लिए खतरा प्रस्तुत करता है।
- संपीड़ित गैस (कंप्रेस्ड गैस)- दबाव में एक बर्तन में निहित गैस या तरल रूप में एक पदार्थ। इसमें सिलिंडर, लेक्चर बॉटल और एरोसोल के डिब्बे शामिल हैं। ये पदार्थ ज्वलनशील, गैर ज्वलनशील या जहरीले हो सकते हैं।
- क्रायोजेनिक्स - ऐसे पदार्थ, जो अत्यधिक ठंडे होते हैं जैसे तरल नाइट्रोजन, तरल हीलियम और सूखी बर्फ। गैर हवादार क्षेत्रों में गिराए जाने पर, ये पदार्थ श्वासावरोध के खतरे भी बन सकते हैं।
- रेडियोधर्मी - 0.002 माइक्रो कुरी प्रति ग्राम (यूसीआई/जी - uCi/g) से अधिक विशिष्ट गतिविधि वाली कोई भी सामग्री।
- बायोमेडिकल - मानव और प्राइमेट से ऊतक, अंग और रक्त।



चित्र 6.2.1 खतरनाक वस्तुओं का वर्गीकरण

सुरक्षा डेटा पत्रक

सुरक्षा डेटा शीट (एसडीएस - SDS), सामग्री सुरक्षा डेटा शीट (एमएसडीएस - MSDS) या उत्पाद सुरक्षा डेटा शीट (पीएसडीएस - चैक) एक दस्तावेज है जिसमें विभिन्न पदार्थों और उत्पादों के साथ काम करते समय सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा की जानकारी होती है।

- सुरक्षा डेटा शीट (जिसे पहले सामग्री सुरक्षा डेटा शीट के रूप में जाना जाता था) में प्रत्येक रसायन के गुणों जैसी जानकारी होती है। स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जोखिमय सुरक्षा उपायय और रसायनों को संभालते, भंडारण करते और परिवहन करते समय सावधानियां।
- प्रत्येक रसायन के लिए सुराग प्रदान करता है:
 - व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई - PPE)
 - प्राथमिक चिकित्सा प्रक्रिया
 - छलकन सफाई प्रक्रिया

सभी कर्मचारियों को सुरक्षा डेटा शीट को पढ़ने, समझने और एक्सेस करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

खतरनाक कार्गो के वेयरहाउस में पालन किए जाने वाले सुरक्षा नियम और प्रक्रियाएं:

खतरनाक सामग्री वह है जो आग, विस्फोट, अचानक दबाव छोड़ने जैसे प्रभाव पैदा करने में सक्षम है और जलने, चोट लगने, ऐंठन या यहां तक कि अंग क्षति जैसे गंभीर स्वास्थ्य प्रभाव पैदा कर सकती है। कई चुनौतियों के बावजूद, निर्माण के विभिन्न चरणों में खतरनाक सामग्री की आवश्यकता होती है और इसे वेयरहाउस में रखने की आवश्यकता होती है।

वेयरहाउस में खतरनाक सामग्री को संभालने के लिए कुछ सुझाव निम्नलिखित हैं:

- **नियमों के अनुसार सही प्रक्रिया तैयार करना:** यह सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाएं बनाई जाती हैं कि वेयरहाउस में कंपनी के निर्देश और आवश्यकताएं पूरी हों। सुरक्षा, कार्गो की हैंडलिंग, रख-रखाव, पिकिंग, पैकिंग, लेबलिंग इत्यादि के बारे में प्रक्रियाएं हो सकती हैं। सभी गतिविधियों के लिए प्रक्रियाओं को ले जाने से यह सुनिश्चित होता है कि वेयरहाउस, कंपनी के मानदंडों के भीतर काम कर रहा है।
- **कर्मचारियों को प्रशिक्षण और प्रमाणित करना:** खतरनाक सामानों का भंडारण, प्रबंधन और परिवहन एक जटिल प्रक्रिया है। इसके लिए विभिन्न प्रक्रियाओं और विनियमों की बहुत विस्तृत समझ की आवश्यकता होती है। वेयरहाउस में काम करने वाले सभी लोगों को खतरनाक सामानों को संभालने के लिए उचित रूप से प्रशिक्षित और प्रमाणित किया जाना चाहिए। प्रशिक्षण के बिना विनियमों की विस्तृत समझ प्राप्त करना अत्यंत कठिन है।
- **उनके वर्गीकरण के अनुसार सामान का भंडारण:** कई खतरनाक सामान एक दूसरे के साथ असंगत हैं। उनकी बातचीत दुर्घटनाओं के गंभीर जोखिम पैदा कर सकती है ऐसे सामानों को अलग से स्टोर करना एक नियामक आवश्यकता है। एक गॉड वेयरहाउस ऐसे सामानों का पूरा ज्ञान रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि ऐसी सामग्री को कुछ दूरी पर संग्रहित किया जाए और उनके बीच अवरोध पैदा किए जाएं।
- **उचित दस्तावेज और प्रदर्शन:** वेयरहाउस टीम को हर समय संग्रहीत किए जा रहे खतरनाक सामानों की सभी मात्रा और स्थान के बारे में पता होना चाहिए। यदि कोई अप्रिय घटना होती है, तो लोगों को क्या करना है, यह निर्देश देते हुए एहतियाती बयान प्रदर्शित किए जाने चाहिए।

खतरनाक सामग्री जांच सूची		
1.	उत्पाद का नाम	
2.	खतरा वर्ग	
3.	पीपीई को संभालने की आवश्यकता	
4.	इंजीनियरिंग नियंत्रण/वेंटिलेशन	
5.	विशेष हैंडलिंग प्रक्रियाएं	
6.	भंडारण की आवश्यकताएं	
7.	विशेष रोकथाम	
8.	दुर्घटना प्रक्रियाएं	
9.	अपशिष्ट निपटान	
10.	विशेष सावधानियां	
11.	परिशोधन	
12.	निर्दिष्ट क्षेत्र	
13.	द्वारा स्वीकृत	

तालिका 6.2.2. खतरनाक सामग्री चेकलिस्ट

यूनिट 6.3: 5एस (5S) की संकल्पना

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. कार्यस्थल पर 5एस (5S) की अवधारणा पर चर्चा करना।
2. वेयरहाउस में अपने कार्यस्थल पर 5एस (5S) लागू करना।

6.3.1 कार्यस्थल पर 5एस

5एस (5S) यह, कार्यस्थलों को व्यवस्थित करने की एक ऐसी प्रणाली है जो कर्मचारी को कुशलतापूर्वक, प्रभावी ढंग से और सुरक्षित रूप से काम करने की अनुमति देती है। इस प्रणाली को सब कुछ अपनी जगह पर रखने और कार्यस्थल को साफ रखने के लिए डिजाइन किया गया है ताकि लोग समय बर्बाद किए बिना या चोट के जोखिम के बिना अपना काम आसान बना सकें।

5एस (5S) शब्द, पांच जापानी शब्दों से बना है:

- सेईरी
- सेईटोन
- सेईसो
- सेईकेत्सु
- शित्सुके

अंग्रेजी में, इन शब्दों का अक्सर निम्नप्रकार अनुवाद किया जाता है:

- छांटना (सॉर्ट)
- क्रम में लगाना (सेट इन ऑर्डर)
- चमकाना (शाईन)
- मानकीकरण (स्टैंडर्डाइज)
- बनाए रखना (सस्टेन)

प्रत्येक एस (S), ऐसे पांच-चरणीय प्रक्रिया के भाग का प्रतिनिधित्व करता है, जो ऑपरेटिंग स्थान के समग्र कार्य को बेहतर बना सकते हैं।

5एस (5S) पद्धति कई लाभ प्रदान करती है, जिनमें शामिल हैं:

- कम लागत
- उच्च गुणवत्ता
- बड़ी हुई दक्षता
- कर्मचारियों की संतुष्टि बढ़ाना
- कार्य का एक सुरक्षित वातावरण

5एस (5S) में सभी उपलब्ध क्षेत्रों का आकलन करना, अनावश्यक वस्तुओं को हटाना, चीजों को तार्किक रूप से व्यवस्थित करना, सफाई कार्य करना और इस चक्र को बनाए रखना शामिल है। व्यवस्थित करना, साफ करना, दोहराएं। आइए, हम 5एस (5S) के प्रत्येक भाग पर करीब से नजर डालते हैं।



चित्र 6.3.1 कार्यस्थल पर 5एस (5S)

1. छांटना (सॉर्टिंग) - वेयरहाउस में सभी अवांछित, अनावश्यक और असंबंधित सामग्री को हटाने का कार्य।

- वर्गीकृत करना और छांट डालना
- अनावश्यक वस्तुओं को हटा देना
- बार-बार उपयोग/दुर्लभ उपयोग/उपयोग बिल्कुल नहीं के अनुसार स्टोर करना
- भंडारण के लिए स्थान निर्दिष्ट करना
- प्रगति की निगरानी करना

उदाहरण: वेस्ट स्ट्रैपिंग पट्टी और क्लिप, लकड़ी के फूस के टूटे हुए टुकड़े, फटे बॉक्स, वेस्टर पैकिंग सामग्री, छीले हुए बीओपीपी (ठक्क) टेप, सिकुड़ने योग्य ध्स्ट्रेचेबल रैप्स, वेस्ट ऑफिस स्टेशनरी, वेस्ट पेपर।

2. क्रम में लगाना/स्थिर करना (सेट इन ऑर्डर/स्टैबिलाइज) - इसमें सब कुछ एक निर्दिष्ट स्थान पर रखना शामिल है, ताकि सब कुछ जल्दी से पहुंचा जा सके और जल्दी से उसी स्थान पर वापस आ सके।

- वस्तुओं को उनके उपयोग की आवृत्ति के अनुसार वेयरहाउस में रखना।
- अक्सर उपयोग की जाने वाली वस्तुओं को कार्यस्थल के बगल में रखना।
- असामान्य भागों को परिचालन स्थान से दूर रखना

उदाहरण: जीआरएन (ळळ्ळ), चालान, एसटीएन (ँँँँ), पीओडी (चक्क), रोड परमिट, एलओआई (स्वप्) और समझौता आदि। उपकरण और संपत्ति जैसे एचपीटी (भ्चज्), स्टैकर्स, फोर्कलिफ्ट, ताजा स्टॉक, डीओए (क्व्।) स्टॉक, प्रतिबंधित और अप्रतिबंधित स्टॉक, एफई (थम्), डस्ट बिन, आदि। इलेक्ट्रिकल वायरिंग और फिटिंग बरकरार स्थितियों में होने चाहिए।

3. चमकाना/सफाई करना (शाईन/क्लिनींग) - सेईसो में कार्यस्थल की सफाई और इसे 'चमक' देना शामिल है।

- डेटा फीडर से लेकर प्रबंधकों तक (उनके कार्यस्थल के संबंध में) वेयरहाउस में सभी को सफाई करनी चाहिए।
- प्रत्येक व्यक्ति को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसका आसपास का स्थान साफ सुथरा हो।
- अगर कार्यस्थल का हर क्षेत्र सफाई के लिए किसी व्यक्ति या समूह को सौंपा जाए, तो इससे बड़ा फायदा हो सकता है।

उदाहरण: कार्यालय क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र, परिसर के बाहर, लोडिंग और अनलोडिंग डॉक/बे, शटर, खिड़कियां और सुरक्षा ग्रिल, ऑपरेशन टेबल और क्षेत्र, शौचालय, पेंट्री, डीजी और मीटर रूम, कोबवे, रैक और स्टॉक बॉक्स की धूल, कोनों और वेयरहाउस, डेस्क, कंप्यूटर, कूड़ेदान आदि के फर्श।

4. मानकीकरण (स्टैंडर्डाइज) - मानकीकरण वह परिणाम है, जो तब मौजूद होता है, जब पहले तीन 'एस' (ई) - सॉर्ट, सेट इन ऑर्डर और शाईन ठीक से बनाए रखे जाते हैं।

- लेबलिंग, नामकरण (वर्गीकरण), फाइलिंग, रिपोर्ट नेम्स, स्टॉक बोर्ड, साइनेज, सुरक्षा पोस्टर, के लिए उचित समरूपता (नियमितता) बनाई रखी जानी चाहिए। स्टेशनरी प्रबंधन, पैकिंग सामग्री, फूस का आकार, व्हाइट बोर्ड, अड्रेस बोर्ड, आदि।
- त्रुटियों की पुनरावृत्ति को रोकने और परिवर्तनशीलता को कम करने के लिए एक साधन प्रदान करें।

5. बनाए रखें (सस्टेन)/अनुशासन (डिसीप्लिन) - सस्टेन का अर्थ है सही प्रक्रियाओं को ठीक से बनाए रखने की आदत बनाना।

- सभी गतिविधियों को करने और समर्थन करने के लिए आत्म-जागरूकता और अनुशासन आवश्यक है।
- 5एस (5S) के तहत, किसी भी गतिविधि की निगरानी के लिए एक चेकलिस्ट तैयार की जानी चाहिए।
- सुनिश्चित करें कि हर कोई नियमों का पालन करता है और इसे एक आदत बनाता है।
- 5एस (5S) के बारे में एक सामान्य समझ बनाता है।
- सभी मानकों के विकास और सफलता की निगरानी के लिए प्रशिक्षण

यूनिट 6.4: सुरक्षा, दुर्घटनाओं और आपातकालीन स्थितियों के उल्लंघन का प्रबंधन

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, प्रतिभागी निम्न कार्य में सक्षम होंगे:

1. आपातकालीन स्थितियों को संभालने का तरीका बताना।
2. बताना कि किसी भी दुर्घटना के मामले में क्या कार्रवाई की जानी चाहिए।
3. वर्णन करना कि किसी दुर्घटना के मामले में कौन से दस्तावेजों का पालन करना चाहिए।
4. निकासी योजना और सुरक्षित सभा स्थल के बारे में विस्तार से बताना।

6.4.1 आपातकालीन स्थितियों के मामले में प्रोटोकॉल

आदर्श वेयरहाउस द्वारा, जहां तक हो सके दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास करना चाहिए। सभी सावधानियों के बावजूद, यदि दुर्घटनाएं अभी भी होती हैं, तो निम्नलिखित कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

घटना के समय

- घटनास्थल पर नियंत्रण रखें और व्यवस्था बहाल करने का प्रयास करें।
- प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन कॉल। यदि आप कर सकते हैं तो घायलों को तत्काल सहायता प्रदान करें। अन्यथा मदद के लिए बुलाओ। घायल कर्मियों की देखभाल सर्वोच्च प्राथमिकता है।
- किसी भी माध्यमिक दुर्घटनाओं की निगरानी करें। इसमें उन लोगों पर प्रतिबंध लगाना शामिल है जो क्षेत्र में नहीं होने चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि छलकन (स्पिल) हुई, तो आप नहीं चाहते कि अन्य कर्मचारी वहां से गुजरें।
- घटनास्थल पर लोगों और स्थितियों की पहचान करें। लोग घटना के गवाह हैं। क्या किसी और ने उनका नाम लिया है। यदि आप दृश्य पर अकेले हैं, तो कम से कम चारों ओर देखने का प्रयास करें और देखें कि वहां कौन है।
- भौतिक साक्ष्य रखें। दृश्य को सुरक्षित रखें और पहुंच को फिर से नियंत्रित करें। आपको किसी भी सबूत को संशोधित नहीं करना या हटाना नहीं चाहिए।

एक बार तत्काल आपातकाल स्थिर हो जाने के बाद, निम्नलिखित उपाय किए जाने चाहिए:

- आकलन करें कि कितना नुकसान हुआ है, यह कितना गंभीर हो सकता है और जांच के लिए आपको अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है।
- उचित सूचनाएं करें। सुनिश्चित करें कि वरिष्ठ प्रबंधन जागरूक है। साथ ही प्रभावित परिवारों, आपकी जरूरत की किसी भी नियामक एजेंसियों और अपनी बीमा कंपनियों को भी कॉल करें।

अन्य कार्रवाईयां

- दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट को पूरा किया जाना चाहिए और सभी आकलन के लिए प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
- अनुशंसित कार्रवाईयों सहित बाद की रिपोर्ट को 48 घंटे और 30 दिनों के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

आखिरकार

- यदि कोई दुर्घटना होती है, तो लिखित प्रक्रिया का पालन करना और कर्मचारियों और प्रबंधन से प्रक्रिया के बारे में सीखना, यह अच्छी बातें हैं।
- घटना से सीखना और भविष्य में इसे कैसे रोका जाए, इसका स्पष्ट रूप से दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए।

किसी भी आपात स्थिति में लागू किए जाने वाले मानक प्रोटोकॉल नीचे दिए गए हैं -



चित्र 6.4.1: आपात स्थिति के लिए फ्लोचार्ट

INCIDENT REPORT FORMAT

To be completed by staff within 12 hours of incident/accident

Incident Date: _____ Incident Time: _____
 Injured Person Name: _____
 Address: _____
 Phone Numbers: _____
 Male/Female: _____ Date of Birth: _____

Details of Incident: _____

 Who was injured person? _____
 Injury Type: _____

Does injury require Hospital/Physician? Yes: _____ No: _____
 Hospital Name: _____
 Address: _____
 Hospital Phone Numbers: _____
 Injured person/Party Signature/Date: _____ / _____

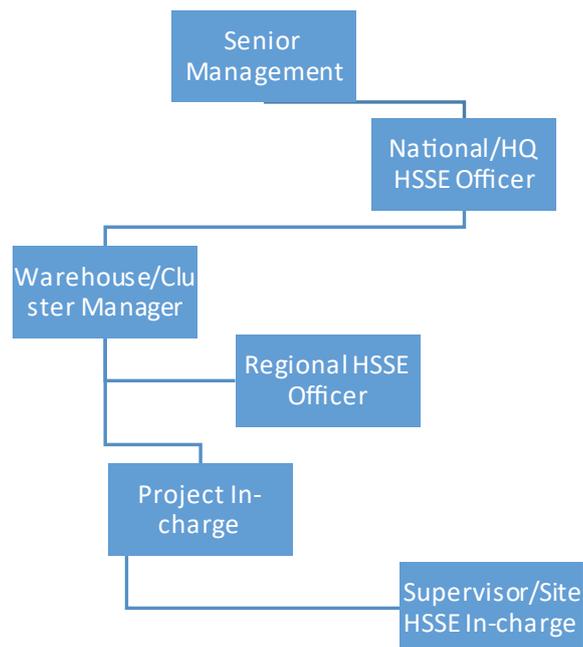
Important Notes and Instructions:

Prepared By: _____ Date: _____
 Name of Approved By: _____ Signature: _____

चित्र 6.4.2 घटना रिपोर्ट का प्रारूप

एस्केलेशन मैट्रिक्स -

उपर्युक्त मानदंडों के अनुसार किसी भी घटना की सूचना संबंधित पर्यवेक्षक और साइट एचएसएसई (भैम्) प्रभारी को दी जानी चाहिए। और, घटना के खिलाफ असंतोषजनक कार्रवाई के मामले में, निम्नलिखित एस्केलेशन मैट्रिक्स का पालन किया जाना चाहिए।



चित्र 6.4.3: एस्केलेशन मैट्रिक्स

स्वास्थ्य, सुरक्षा और बचाव में विचलन का प्रबंधन -

अपनी पूरी गतिविधियों के साथ वेयरहाउसिंग के परिणामस्वरूप विभिन्न खतरे और जोखिम हो सकते हैं। एक प्रभावी सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली हर संभावित सुरक्षा जोखिम का आकलन करने की कोशिश करती है और उन्हें रोकने के उपाय करने की कोशिश करती है। ऐसा करके प्रबंधन अपनी सबसे मूल्यवान संपत्ति, कर्मचारियों के साथ-साथ जनता के अन्य सदस्यों को नुकसान से बचाने की कोशिश कर रहा है। सुरक्षा उपाय न केवल परिसर, सामान, उपकरण बल्कि प्रतिष्ठा की भी रक्षा करते हैं।

- वेयरहाउस की सुरक्षा और बचाव के संबंध में नियमित निरीक्षण किया जाना चाहिए।
- सुरक्षा प्रक्रियाओं और उनकी व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करने के संबंध में, कर्मचारियों द्वारा एक आवधिक चेकलिस्ट भरने के लिए कहा जाना चाहिए।
- किसी भी कर्मचारी को स्वास्थ्य और सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करते हुए देखा जाए तो उसे तुरंत चेतावनी दी जानी चाहिए। यदि वह फिर भी नहीं सुधरता है, तो उचित कार्रवाई की जा सकती है।

सलाह

- हर दिन स्वस्थ और स्वच्छ प्रथाओं का पालन करने से आप मानसिक और शारीरिक रूप से अच्छा महसूस करेंगे।
- स्वच्छता स्वास्थ्य का दो-तिहाई हिस्सा है - इसलिए अच्छी स्वच्छता आपको मजबूत और स्वस्थ रहने में मदद करेगी!
- पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित और सुरक्षित बनाने के लिए आपका कार्य पूरी सावधानी के साथ अपना कर्तव्य निभाना महत्वपूर्ण है।

सारांश

यह अध्याय किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए वेयरहाउस के भीतर और ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर द्वारा पालन किए जाने वाले स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुरक्षा मानदंडों से संबंधित है। 5एस (5S) को इस अध्याय में स्पष्ट रूप से समझाया गया है और ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर के लिए सुरक्षा उपाय के साथ-साथ वेयरहाउस को व्यवस्थित करने में एक बहुत ही सहायक उपकरण है। खतरनाक सामानों को संभालते समय अपनाई जाने वाली प्रक्रिया बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही वाहन में माल की लोडिंग का महत्व और सुरक्षित कंसाईनमेंट वितरण के लिए संबंधित निर्देश भी गुण-दोष की दृष्टि से समझाया गया है।

अभ्यास

बहु विकल्पीय प्रश्न

- वेयरहाउस में अग्नि सुरक्षा बनाए रखने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि नहीं है?
 - किसी भी माचिस और लाइटर के प्रवेश पर प्रतिबंध
 - एक आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम का निर्माण
 - बचने के रास्तों की पहचान करना
 - फोर्कलिफ्ट्स का नियमित निरीक्षण और रखरखाव
- कार्यस्थल के प्रत्येक क्षेत्र को सफाई के लिए किसी व्यक्ति या समूह को सौंपना, 5एस (5S) पद्धति में, एस (S) का कौन-सा हिस्सा है?

a) क्रम में लगाना (सेट इन ऑर्डर)	b) चमकाना (शाईन)
c) मानकीकरण (स्टैंडर्डाइज)	d) छांटना (सॉर्ट)
- निम्नलिखित में से कौन-सा, सामग्री सुरक्षा डेटा शीट का हिस्सा नहीं है?

a) रसायन के गुण	b) रसायन के भंडारण और हैंडलिंग निर्देश
c) रसायन की कीमत	d) रसायन के स्वास्थ्य के लिए जोखिम

4. निम्नलिखित में से कौन-सा, एक सुरक्षा खतरा नहीं है?
 - a) कर्मचारी लंबे समय तक काम कर रहे हैं, जो कि शिफ्ट के घंटों से बहुत अधिक है।
 - b) कर्मचारी को सुरक्षा प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षित नहीं किया जा रहा है।
 - c) वेयरहाउस में सुरक्षा संकेत प्रदर्शित नहीं किए जा रहे हैं।
 - d) सूर्योदय या सूर्यास्त हडल बैठक (हडल मीटिंग) न करना

5. कंसाइनमेंट की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर को क्या करना चाहिए?
 - a) सही आकार, क्षमता और प्रकार के साथ वाहन की नियुक्ति सुनिश्चित करना
 - b) सुनिश्चित करना कि स्टैकिंग मानदंड और अन्य लोडिंग/धपरिवहन निर्देशों का पालन किया जाता है।
 - c) सुनिश्चित करना कि उचित मार्ग योजना बनाई गई है।
 - d) ऊपर के सभी

6. स्टैकिंग मानदंड का क्या मतलब है?
 - a) गुड्स फ्लोर की लोडिंग
 - b) पैलेट का उपयोग करके माल की लोडिंग
 - c) ऊर्ध्वाधर (वर्टिकल) दिशा में एक-दूसरे पर माल लोड करना
 - d) इनमें से कोई भी नहीं

7. उचित मार्ग योजना के द्वारा क्या सुनिश्चित किया जाता है?
 - a) लास्ट स्टॉप माल पहले लोड किया जाता है।
 - b) प्रतिक्रियाशील वस्तुओं को एक साथ नहीं रखा जाता है।
 - c) सुरक्षित और मानक सड़कधमार्ग का पालन किया जाता है।
 - d) ऊपर के सभी

रिक्त स्थान भरें

1. _____ दुनिया भर में काम से संबंधित चोटों का सबसे बड़ा कारण है।
2. वेयरहाउस में 5एस (5S) में, _____ एस (S) का हिस्सा होने पर अनावश्यक वस्तुओं को हटाना।
3. वेयरहाउस सुविधाओं में _____ औपचारिक स्थान हैं जिनका उपयोग फोर्कलिफ्ट, बीओपीटी (BOPT) और अन्य बिजली उपकरणों को रिचार्ज करने के लिए किया जाता है।
4. सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन नहीं करने वाले कर्मचारी को _____ होना चाहिए।
5. “दिस साइड अप” चिन्ह का प्रयोग _____ के लिए किया जाता है।
6. प्रतिक्रियाशील वस्तुओं को एक साथ रखने से _____



Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत



सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP



N · S · D · C
National
Skill Development
Corporation

Transforming the skill landscape



7. अनुलग्नक



अध्याय	यूनिट संख्या	विषय का नाम	पृष्ठ संख्या	क्यूआर कोड के लिए लिंक	क्यूआर कोड
1. वेअरहाउस से परिचय	यूनिट 1.1: लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन	1.1.1 आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन	24	https://youtu.be/52V-coVTsVUY	 आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
	यूनिट 1.3: भूमि परिवहन से परिचय	1.3.1 भूमि परिवहन की गतिविधियां	24	https://youtu.be/IBZlb-B1UAq4	 वेयरहाउस और वेयरहाउसिंग क्या है
	यूनिट 1.5: वेयरहाउस में उपयोग किए जाने वाले उपकरण	1.5.1 वेयरहाउस हैंडलिंग उपकरण	24	https://youtu.be/BBW-PIByOefI	 वेयरहाउस के लिए सामग्री हैंडलिंग उपकरण के प्रकार
	यूनिट 1.6: परिवहन में दस्तावेजीकरण	1.6.1 परिवहन दस्तावेज		https://youtu.be/NigUQ_iSwYs	 सामग्री रसीद
2. संचालन योजना	यूनिट 2.1: ऑपरेटिंग सिस्टम का सेटअप और लॉगिन	2.1.2 गोपनीय डेटा का महत्व	37	https://youtu.be/o9JG-sIMNq5o	 सुरक्षा के तत्व

अध्याय	यूनिट संख्या	विषय का नाम	पृष्ठ संख्या	क्यूआर कोड के लिए लिंक	क्यूआर कोड
	यूनिट 2.1: ऑपरेटिंग सिस्टम का सेटअप और लॉगिन	2.1.3 टीएमएस (TMS) और इसके लाभों को परिभाषित करें	37	https://youtu.be/Fq0_wMz8qYw	 परिवहन प्रबंधन प्रणाली
	यूनिट 2.2: संचालन योजना	2.2.1 संचालन योजना	37	https://youtu.be/qi3E6x0qQ2w	 रूटिंग क्या है
3. माल की स्थिति की निगरानी	यूनिट 3.1: ट्रकिंग कंपनियों के साथ समन्वय करना	3.1.1 नई वाहन की आवश्यकता प्रस्तुत करना	45	https://youtu.be/o_DU699XKCM	 परिवहन और रसद में बुकिंग के प्रकार
	यूनिट 3.2: पारगमन में फॉलो-अप	3.2.1 पारगमन में फॉलो-अप	45	https://youtu.be/z65e9Y_PnvE	 परिवहन चुनौतियां और मुद्दे
4. कंसाइनमेंट का वितरण और रिपोर्टिंग	यूनिट 4.1: कंसाइनमेंट का हैंडओवर	4.1.1 कंसाइनमेंट का हैंडओवर	57	https://youtu.be/clMc4w2PvNI	 कंटेनर बोल्ट सील
	यूनिट 4.2: दोषपूर्ण माल की रिपोर्टिंग	4.2.1 दोषपूर्ण कंसाइनमेंट	57	https://youtu.be/ILP-PHoK8tm0	 पारगमन माल की क्षति

अध्याय	यूनिट संख्या	विषय का नाम	पृष्ठ संख्या	क्यूआर कोड के लिए लिंक	क्यूआर कोड
5. शिफ्ट हैंडओवर प्लानिंग	यूनिट 5.1: प्रेषण (डिस्पैच) से पहले का लॉग	5.1.1 प्रेषण (डिस्पैच)से पूर्व का लॉग	65	https://youtu.be/q9N-sNp8wEFs	 <p>आदेश प्राप्त हुआ और डेटा शीट डिजाइन प्रेषित किया गया</p>
6. स्वास्थ्य और सुरक्षा का अनुपालन	यूनिट 6.2: खतरनाक और जोखीमवाले सामान को संभालना	6.2.1 खतरनाक सामान के लिए हैंडलिंग प्रक्रियाएं	89	https://youtu.be/2e4b-ViKeAww	 <p>सुरक्षित रूप से रासायनिक भंडारण</p>
	यूनिट 6.3: 5एस (50) की संकल्पना	6.3.1 कार्यस्थल पर 5एस	89	https://youtu.be/0aEL-ROpvRKc	 <p>5एस क्या है</p>





Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत



सर्वमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP



N · S · D · C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape



ईबुक तक पहुंचने के लिए इस क्यूआर
कोड को स्कैन/क्लिक करें



LSC
Logistics Skill Council

Logistics Sector Skill Council

Address: No. 480 A, 7th floor Khivraj Complex 2, Anna Salai,

Nandanam, Chennai – 600 035

e-mail: reena@lsc-india.com | Website: www.lsc-india.com

Phone: 044 4851 4605

Price: ₹



978-1-111-22222-45-7